04 - अखिलेश को बड़ा झटका देने की तैयारी

05 - उज्जयिनी की गुरु परंपरा

A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 10 जुलाई, 2025

06 - ज्ञानेंद्र त्रिपाठी धार जिला रोगी कल्याण समिति सदस्य नियुक्त

07 - राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल से खेत, खदान, कोल, बैंक...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 301, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

चिराग की सियासी चाल से क्या जेडीयू को फिर लगेगा झटका?

शंकर अर्निमेष

बिहार चुनाव से कुछ महीने पहले, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमले तेज कर दिए हैं। इससे जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर संदेह पैदा हो गया है कि क्या 2025 का चुनाव भी 2020 जैसा ही होगा, जब चिराग ने बिहार की राजनीति में नीतीश के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी।

ताजा मुद्दा जिस पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नीतीश के खिलाफ मोर्चा खोला है, वह है बीजेपी नेता और व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या, जिसने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। इस हत्या के बाद विपक्ष–राजद नेता तेजस्वी यादव से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक–नीतीश पर कानून व्यवस्था को लेकर हमला बोल रहे हैं और उनके 'सुशासन' के दावे का मज़ाक उड़ा रहे हैं। लेकिन चिराग ऐसे इकलौते एनडीए नेता हैं, जिन्होंने सीधे नीतीश को निशाने पर लिया है, जबकि नीतीश के पास बतौर सीएम गृह विभाग भी है।

2020 में चिराग ने एक ऐसा विघटनकारी रोल निभाया जिसने एनडीए के समीकरणों को बदल दिया और जदयू और नीतीश कुमार की स्थिति को कमजोर किया। एलजेपी ने 243 में से 134 सीटों पर चुनाव लड़ा था और रणनीति के तहत ज़्यादातर जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारे थे ताकि वोटों का बंटवारा हो सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एलजेपी ने 28 सीटों पर जदयू उम्मीदवारों की हार में भूमिका निभाई।

छपरा में 'नव संकल्प रैली' को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा, 'यह बहुत गंभीर विषय है–बिहार में जिस तरह से रोज़ हत्या और अपहरण की घटनाएं हो रही हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।, अगर पटना जैसे शहर के पॉश इलाकों में खुलेआम हत्याएं हो रही हैं, तो दूरदराज़ के गांवों में क्या हाल होगा? यह गंभीर है, क्योंकि मैं खुद भी सरकार का समर्थन करता हूं।'

एक दिन बाद, चिराग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह ज़िले में हुई एक और हत्या का ज़िक्र कर राज्य में कानून व्यवस्था की बदहाली को उजागर किया। जैसे 2020 में उन्होंने जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारकर नीतीश के वोट बैंक में सेंध लगाई थी, वैसे ही अब भी एनडीए में रहते हुए चिराग नीतीश विरोधी रुख अपनाए हुए हैं। वह कानून व्यवस्था के साथ-साथ जातीय जनगणना, शराबबंदी, युवाओं का पलायन और डोमिसाइल कानूनों जैसे मुद्दों पर भी सरकार की आलोचना करते रहे हैं।

एक महीने पहले, जून में, जब नीतीश सरकार को एक नौ साल की दलित बच्ची के गैंगरेप और इलाज के अभाव में पटना अस्पताल में हुई उसकी मौत के बाद विपक्ष की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा, तो चिराग पासवान ने नीतीश सरकार की 'गंभीर लापरवाही' के लिए आलोचना की और इस घटना को 'मानवता के खिलाफ अपराध' बताया। एक हफ्ते पहले, चिराग के बहनोई और जमुई से सांसद अरुण भारती ने बिहार में 2023 की बहुचर्चित जातीय जनगणना को एक साज़िश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि दलितों, महादलितों और आदिवासियों की गिनती जानबूझकर कम करके की गई। इसका मकसद मुस्लिम-यादव वर्चस्व को स्थापित करना है, जबकि दलितों को सिर्फ वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।' हालांकि उन्होंने जातीय जनगणना को लेकर मोदी सरकार की योजनाओं की तारीफ की।

रविवार को हुई एक बैठक में चिराग पासवान ने बिहार सरकार से सवाल किया कि रोजगार की कमी के कारण लोग राज्य से बाहर क्यों पलायन कर रहे हैं। यह वही मुद्दा है जिसे विपक्षी नेता तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर बार-बार नीतीश कुमार पर हमला करने के लिए उठाते हैं। पिछले हफ्ते, बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) की परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों ने सरकार की ओर से डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया ताकि बिहार के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा सरकारी नौकरियां मिल सकें। तेजस्वी यादव पहले ही वादा कर चुके हैं कि अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो 100 फीसदी डोमिसाइल नीति तुरंत लागू की जाएगी। हालांकि, जेडीयू का कहना है कि 'सरकारी नौकरियों के लिए डोमिसाइल नीति लाना संविधान के खिलाफ होगा।' लेकिन चिराग पासवान ने डोमिसाइल नीति का समर्थन किया है। रविवार को चिराग पासवान ने परोक्ष रूप से साज़िश की ओर इशारा किया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने कहा कि कुछ लोग नहीं चाहते कि वह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ें, लेकिन वह चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लोग अपने भविष्य को सुरक्षित करने में संतुष्ट हैं। उन्हें मेरे 'बिहार फर्स्ट' और 'बिहारी फर्स्ट' विज़न से डर लगता है, इसलिए वे मुझे राज्य की राजनीति से दूर रखने की साज़िश कर रहे हैं। हम 243 की 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।'

यह आरोप ऐसे समय में आए हैं जब दो हफ्ते पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह सवाल किया था कि एक केंद्रीय मंत्री होते हुए चिराग पासवान को बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की क्या ज़रूरत है। सूत्रों के मुताबिक, सिर्फ जेडीयू ही नहीं बल्कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी चिंतित हैं कि चिराग पासवान के उभरने से दलित नेतृत्व का स्वरूप कैसा बनेगा।

हालांकि, एलजेपी के एक नेता ने इस बात को खारिज किया कि चिराग केवल दलित नेतृत्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हालांकि फिलहाल वह सिर्फ मुद्दे उठा रहे हैं और खुद को नीतीश के बाद एक संभावित मुख्यमंत्री विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं। बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि चिराग की महत्वाकांक्षा है कि वे ज्यादा विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ें ताकि उनकी पार्टी की जीत की संभावना बढ़े और 2005 से अब तक विधानसभा चुनावों में जो गिरावट आई है, उसे पलट सकें। बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर बीजेपी के पटेल ने कहा, 'हमारी अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। मुख्यमंत्री ने खुद खेमका [हत्या] मामले में अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बारिश-बाढ़ से बेहाल हुए यूपी-एमपी और उत्तराखंड

अयोध्या में घरों में घुसा पानी, वाराणसी में घाट डूबे

प्रयागराज में 4 मौतें, उत्तराखंड में फिर से फटा बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में बुधवार को भारी बारिश जारी है। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है। मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। हालात को देखते हुए नागपुर नगर निगम ने राफ्ट (नाव) की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। उत्तराखंड में मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। एनडीआरएफ ने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है। सर्च जारी है।

● एमपी में उफान पर नर्मदा कई जिलों में हालत बदतर

अगले चार दिन राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश के सतना में करीब तेज बारिश से एक पेड़ गिर गया। इसकी चपेट में कई दोपहिया वाहन आ गए। एक मकान का चबूतरा भी क्षतिग्रस्त हो गया। नगर निगम की टीम ने पेड़ को हटाकर रास्ता साफ कराया। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। कई घर, ऑफिस और अंडरपास पानी में डूब गए हैं।

गुजरात में पुल टूटा, चलती गाड़ियां नदी में गिरीं 13 की मौत, 8 को बचाया दक्षिण गुजरात का सौराष्ट्रसे संपर्क टूटा

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना ब्रिज बुधवार सुबह टूट गया। हादसे के समय ब्रिज से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा कुल पांच गाड़ियां नदी में गिर गईं। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 को स्थानीय लोगों ने बचाया। दो लोग लापता हैं। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। 45 साल पुराना यह ब्रिज दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता है।

पुल टूट जाने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड जैसे दक्षिण गुजरात के शहरों से सौराष्ट्र पहुंचने में ज्यादा समय लगेगा। अब इसके लिए अहमदाबाद होते हुए लंबा रास्ता लेना पड़ेगा।

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक, लिए कई फैसले

बिजली कंपनियों में 50 हजार पदों पर भर्ती होगी

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव कैबिनेट ने पूर्व, मध्य और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों में 49 हजार 263 नए पदों को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद तीनों कंपनियों में नियमित पदों की संख्या 77,298 हो जाएगी। इससे कंपनियों के काम और पावर डिस्ट्रीब्यूशन में सुधार आएगा, तो संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या घटेगी।

कैबिनेट ने 35 लाख किसानों की 84.17 करोड़ रुपए सिंचाई जलकर ब्याज एवं पेनल्टी माफ कर दी है। सरकार किसानों से उड़द और मूंग खरीदने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी। केंद्र ने अभी कम मात्रा में खरीदी की मंजूरी दी थी, जिसे बढ़वाया जाएगा।

भोपाल की होटल लेक व्यू रेसिडेंसी को लेकर फैसला– कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम राजेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि सरकार ने राजधानी के होटल लेक व्यू रेसिडेंसी को डिजाइन करने और निर्माण के साथ उसके संचालन, हस्तांतरण के आधार पर पीपीपी मोड पर सौंपने को मंजूरी पहले ही दी थी।

अब यह तय किया गया है कि लीज के पंजीयन और स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) विभागीय बजट से की जाएगी। निवेश संवर्धन (इन्वेस्टमेंट प्रमोशन) के लिए यह तय किया गया है कि जो भी डेवलपर आएगा उसे प्रतिपूर्ति की सुविधा दी जाएगी।

प्रदेश के 35 लाख किसानों को सरकार से बड़ी राहत– प्रदेश के 35 लाख किसानों पर कृषि सिंचाई जलकर के ब्याज और पेनल्टी के 84.17 करोड़ रुपए बकाया हैं। जल संसाधन विभाग लगातार तकादा लगा रहा था। अब सरकार ने तय किया है कि किसानों से यह राशि नहीं ली जाएगी। कैबिनेट ने राशि माफ करने की मंजूरी दे दी है। यह योजना साल 2026 तक रहेगी और सभी किसानों को एक साल में मूलधन की राशि जमा करने का मौका मिलेगा।

कैंपा फंड में मिले 1478 करोड़, नए कामों को मंजूरी– वन विभाग की प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि (कैंपा फंड) की वार्षिक कार्ययोजना को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। कैबिनेट ने 1478.38 करोड़ रुपए सहित कैंपा फंड से किए जाने वाले कामों को मंजूरी दी है। एमपी की वन भूमि के डायवर्जन के बाद पहले यह राशि भारत सरकार को मिलती है और बाद में केंद्र सरकार राज्य को यह राशि देती है। इस राशि से पौधारोपण, बिगड़े वनों का सुधार, नदियों के पुनर्जीवन, वन सीमा से लगे गांवों में बांस आदि पौधों का रोपण, ग्रामीणों की क्षमता-विकास, नगर वनों को तैयार करने जैसे काम किए जा सकेंगे।

सुप्रभात

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु : गुरुर्देवो महेश्वर : ।
गुरु : साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नम : ॥
ध्यानमूलं गुरुर्मूर्ति : पूजामूलं गुरो : पदम् ।
मंत्रमूलं गुरोर्वाक्यं मोक्षमूलं गुरो : कृपा ॥

अखंडमंडलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् । तत्पदं
दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नम : ॥

त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च
सखा त्वमेव । त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव,
त्वमेव सर्वं मम देव देव ॥
गुरु शुश्रूषया विद्या पुष्कलेन् धनेन वा । अथ
वा विद्यया विद्या, चतुर्थो नाऽप्यलप्यते ॥

– गुरू महिमा

पाक-चीन का मिलना भारत के लिए खतरनाक

● सीडीएस अनिल चौहान ने कर दिया है अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के अपने-अपने हितों को लेकर एक-दूसरे के प्रति झुकाव का भारत की स्थिरता और सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक थिंक टैंक में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने भारत पाकिस्तान के बीच 7-10 मई के सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि शायद यह पहली बार हुआ जब दो परमाणु हथियार संपन्न देश सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल हुए। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने चीन और पाकिस्तान के भारत के प्रति समान हित का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने पिछले पांच वर्षों में अपने लगभग 70 से 80 प्रतिशत हथियार और उपकरण चीन से हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि चीनी सैन्य कम्पनियों की पाकिस्तान में वाणिज्यिक देनदारियां हैं।

● बिहार में बीजेपी ने फैलाया जाल, करेगी 'खेला' ● राज्य की छोटी पार्टियों को साधने में जुटी पार्टी

चुनाव में कम आबादी वाली जातियों पर नजर

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर भाजपा राज्य में कम आबादी वाली जातियों और छोटी पार्टियों के साथ मिलकर चुनावी रणनीति बना रही है। इसी क्रम में भाजपा के रणनीतिकारों ने शौर्य गाथा सह सम्मान समारोह आयोजित कर वीर शिरोमणि महाराजा बिजली पासी को न केवल याद किया बल्कि सच्चा हितैषी भी बताया। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीर शिरोमणि महाराजा बिजली पासी को याद किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में भाजपा नीत अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने ही महाराजा बिजली पासी के नाम पर सामाजिक सम्मान के लिए एक डाक टिकट जारी करने का काम किया था। पासी समाज ने जीवन भर समाज को जोड़ने का काम किया। महाराजा बिजली पासी के सर्वस्व अर्पण करने वाली वीरता, पराक्रम और त्याग के प्रतीक को याद कर नव पीढ़ी की सीख लेनी चाहिए। फिर पासी समाज से वादा भी किया कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार से मिलकर नीरा की खेती को फिर से चालू करने का अधिकार देने का काम किया जाएगा। भाजपा की नजर में पासी समाज का लगभग एक प्रतिशत वोट बैंक है। यह पासवान जाति से अलग जाति है। पर पासवान के नेता स्व रामविलास पासवान इसे साथ लेकर ही छह से सात प्रतिशत की राजनीति करते थे। यही राजनीति चिराग पासवान भी लेकर चल रहे हैं। बिहार जाति सर्वेक्षण 2023 के अनुसार बिहार में पासी जाति की कुल जनसंख्या 1,288,031 है। यह कुल जनसंख्या का 0.9853 प्रतिशत प्रतिशत है। इनकी मुख्य उप जातियों में भरपासी, कैथवास पासी, रावत पासी, गुजर पासी शामिल हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पहली बार वर्ष 1991 में पासी जाति की राजनीति को साधने की कोशिश की थीं। 1991 के लोकसभा चुनाव प्रचार में लालू प्रसाद यादव गोड्डा संसदीय क्षेत्र के गोड्डा ब्लॉक मैदान में चुनावी सभा के बाद सूरज मंडल के साथ ही चांदन (वर्तमान में बांका जिला, बिहार) पहुंचे थे। वो इलाका यादव बहुल होने के साथ ही पासी आबादी बहुल भी है। लालू ने अपने ठेठ देसी अंदाज में भाषण देना शुरू किया और भीड़ को संबोधित करते हुए ताड़ी टैक्स माफ करने की घोषणा की।

छोटी-छोटी जातियों पर पार्टी का है बड़ा फोकस

भाजपा छोटी छोटी जातियां को साधने की कोशिश लगातार कर रही है। गठबंधन की राजनीति से इतर भाजपा अपना साम्राज्य भी स्थापित करना चाहती है। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने अपरोक्ष रूप से कुर्मी रैली का भी आयोजन कराया था। जातीय रैली या जाति विशेष नेताओं की जयंती और पुण्यतिथि के बहाने भी निशाना साधते रही है। पासी समाज को अपने प्रभाव में लेना भी इसी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा के भीतरखाने की माने तो कब गठबंधन के साथी दल अपने चुनावी रणनीति में बदलाव कर लें। जदयू या लोजपा ने भी एनडीए का दामन छोड़ महागठबंधन की राजनीति की है। ऐसे में भाजपा जाति विशेष आधार वाली पार्टी के विरुद्ध अपना दम खम उस जाति विशेष पर कायम रखना रखना चाहती है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 35 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 10 जुलाई 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

जस्टिस यशवंत वर्मा से छिनेगा जज का पद !

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी आवास में बड़े पैमाने पर कैश मिलने पर घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा की कुर्सी छीनने की प्रक्रिया जल्दी ही आगे बढ़ सकती है। उनके खिलाफ सरकार महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है और 21 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सेशन में इसे पेश किया जाएगा। फिलहाल सरकार के लेवल पर इस बात को लेकर मंथन हो रहा है कि इसे राज्यसभा में पहले पेश किया जाए या फिर पहले लोकसभा से पारित करा लिया जाए। विपक्षी सांसद भी जस्टिस यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव पर समर्थन के लिए तैयार हैं। बस कांग्रेस की एक डिमांड यह है कि जस्टिस शेखर यादव पर भी महाभियोग लाया जाए, जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में सांप्रदायिक बयान दिए थे। संविधान के आर्टिकल 124

विपक्षी सांसद भी तैयार,प्लान बना रही सरकार

(4) में जजों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की पूरी प्रक्रिया बताई गई है। इसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट या फिर हाई कोर्ट के किसी जज को पद से हटाने के लिए यह जरूरी है कि महाभियोग प्रस्ताव पर लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर हों। इसके अलावा राज्यसभा के 50 सांसदों का समर्थन हो। यह शर्त सदन में प्रस्ताव लाने के लिए है। इसके अलावा मंजूरी के लिए दो तिहाई बहुमत वाला नियम है। यदि दोनों सदनों से प्रस्ताव

बहुमत के साथ पारित हो जाता है तो फिर उसे राष्ट्रपति के समक्ष भेजा जाता है और उनके साइन के साथ ही संबंधित जज को हटना पड़ता है। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया के बीच एक पेच यह भी है कि संसद में जब इस प्रस्ताव को लाया जाता है तो स्पीकर जांच के लिए एक कमेटी का गठन करते हैं। इस कमेटी में भारत के चीफ जस्टिस या फिर सुप्रीम कोर्ट के किसी अन्य जज, किसी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और एक विद्वान कानूनविद को शामिल किया जाता है। कमेटी की रिपोर्ट में यदि संबंधित जज के आचरण पर उठे सवालों को सही पाया जाता है तो फिर सदन में महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान की प्रक्रिया कराई जाती है। प्रस्ताव पारित होने पर राष्ट्रपति को इस प्रार्थना के साथ सिफारिश भेजी जाती है कि संबंधित जज को पद से हटा दिया जाए। यदि जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव पारित हुआ तो महाभियोग की कार्रवाई के तहत हटाए जाने वाले वह देश के पहले जस्टिस होंगे। पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने इस प्रकरण में एक कमेटी गठित की थी, जिसने जस्टिस वर्मा की भूमिका गलत पाई थी। इसके अलावा 50 लोगों के बयान भी रिकॉर्ड किए गए हैं। इस पूरी रिपोर्ट को पूर्व चीफ जस्टिस ने पीएम और राष्ट्रपति को महाभियोग की सिफारिश के साथ भेजा था।

गजबै है बिहार

महिला की वोटर आईडी पर सीएम नीतिश कुमार की फोटो

- मधेपुरा में पति बोला-पत्नी किसे समझूं,सीएम या अभिलाषा को

मधेपुरा (एजेंसी)। मधेपुरा के जयापालपट्टी की रहने वाली एक महिला के वोटर आईडी पर मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की फोटो लगी लगी है। यह मामला तब है, मैं पत्नी किसे मानूं, अभिलाषा को या नीतिश कुमार को। चंदन ने इसे चुनाव आयोग की लापरवाही बताया है। उसने बताया,करीब ढाई महीने पहले

सामने आया, जब बुधवार को बिहार बंद के दौरान महिला का पति चंदन कुमार आईडी कार्ड लेकर मीडिया के पास पहुंचा गया। चंदन ने मीडिया को जब आईडी दिखाया तो उस पर नाम अभिलाषा कुमारी लिखा है, लेकिन तस्वीर सीएम नीतिश की लगी है। ऐसे में चंदन का कहना पोस्ट ऑफिस के जरिए हमारी पत्नी के नाम से वोटर आईडी कार्ड आया। लिफाफे पर नाम और पता सब ठीक था, लेकिन कार्ड देखा तो हैरान रह गया। चंदन ने बताया, इस गड़बड़ी को लेकर हम अपने बीएलओ के पास पहुंचे। बीएलए ने कहा, यह बात किसी को न बताना।

मध्यप्रदेश के नवाचार को जेएनयू दिल्ली ने भी अपनाया

प्रदेश की लाड़ली बहनों को 12 जुलाई को मिलेगी राशि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाड़ली बहनों के खाते में 12 जुलाई को राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले माह आने वाले रक्षाबंधन के अवसर पर लाडली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के अतिरिक्त 250 रूपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार के एक नवाचार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी अपना लिया है। मध्यप्रदेश की तरह जेएनयू दिल्ली में भी कुलपति अब कुलगुरु के नाम से जाने जाएंगे। जेएनयू ने मध्यप्रदेश से प्रेरणा लेकर यह कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को है। इस दिन प्रदेश के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालय में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री भी प्रमुखता से शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, गुरुजन एवं साधु संतों की

भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल शहर में (कमला नेहरू स्कूल) सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीआरटीएस हटाने से बड़े ही सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि बीआरटीएस हटाने से हादसों में 51 प्रतिशत और हादसों की वजह से मृत्यु में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। यह मध्यप्रदेश सरकार के जनहित में लिए गए निर्णयों के सुचारू क्रियान्वयन का सुखद परिणाम है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जनवरी 2024 में बीआरटीएस हटाने का निर्णय लिया था।

निषादराज सम्मेलन होंगे 12 जुलाई को- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों के समग्र कल्याण एवं सम्मान के लिए निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निषादराज जयंती 10 जुलाई को है, परंतु प्रदेश में समन्वित रूप से 12 जुलाई को निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस सम्मेलन में मत्स्य पालन क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की पारिश्रमिक दरों में वृद्धि, बोनस वितरण, उनके विश्राम के लिए जलाशयों के किनारे प्लेटफॉर्म्स की स्थापना के संबंध में प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में करीब 5 करोड़ की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

अब राजस्थान के चूरू में जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश

- गांव में दूर-दूर तक बिखरा नजर आया प्लेन का मलबा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का फाइटर जेट क्रैश हो गया है। सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट है। इस हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट शहीद हो गए हैं। मौके पर फाइटर जेट जैसा मलबा बिखरा

- पायलट और को-पायलट की मौत, शवों के टुकड़े मिले

पड़ा है। चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि राजलदेसर थाना क्षेत्र के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मौके पर राजलदेसर पुलिस को भेजा गया है। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले तकनीकी कारणों से पायलट इजेक्ट नहीं कर पाए। पिछले 5 महीनों में देश भर में तीन जगुआर क्रैश हो चुके हैं। सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट श्रीगंगानगर के पास सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ा था। यह जेट टू सीटर था, ट्रेनिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक उन्होंने पहले विमान की गड़गड़ाहट सुनी, फिर जोरदार धमाके की आवाज आई। इसके बाद प्रशासन को घटना की जानकारी दी गई। घटना के ठोस कारणों का पता फिलहाल नहीं चला है। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। घटनास्थल पर सेना का एक हेलीकॉप्टर भी पहुंचा है।

पीएम मोदी को मिला नामीबिया का सर्वोच्च सम्मान

विंडहोक (एजेंसी)। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विट्सचिया मिराबिलिस से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार नामीबिया की स्वतंत्रता के बाद 1995 में शुरू किया गया था। यह पुरस्कार

- इस दौरे में मिला यह चौथा और अब तक का 27वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान

विशिष्ट सेवा और नेतृत्व के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार पीएम मोदी को उनकी नामीबिया यात्रा के दौरान मिला। इस यात्रा में दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत हुई और समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। नामीबिया ने 1990 में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। इसके बाद यह पुरस्कार शुरू किया गया। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह ने कहा,नामीबिया के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति के अनुसार, मैं भारत के पीएम

अफ्रीका का सऊदी अरब माना जाता है नामीबिया

नरेंद्र मोदी को ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विट्सचिया मिराबिलिस से सम्मानित करती हूं। उन्होंने नामीबिया और विश्व स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास और शांति और न्याय को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे पहले, पीएम मोदी ने नामीबिया के राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के साथ बातचीत की।

राहुल गांधी दिल्ली गए तेजस्वी यादव अपने घर

- चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर इंतजार करते रह गए अफसर

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव से चार महीने पहले 15 दिनों से चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के अलायंस महागठबंधन के बिहार बंद का बुधवार को परिवहन सेवाओं और बाजार पर असर दिखा है। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के दफ्तर के गेट पर चुनाव आयोग के अफसर महागठबंधन के प्रतिनिधिमंडल का इंतजार करते दिखे लेकिन राहुल गांधी के भाषण के बाद मार्च खत्म हो गया और नेता-कार्यकर्ता वापस लौट गए। विपक्षी दलों का कोई प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने नहीं गया, जिसका इंतजार करते अफसर दिखे थे।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बिहार में बवाल

बंद के दौरान सड़क पर उतरे महागठबंधन के नेता

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को महागठबंधन ने चुनाव आयोग के वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बंद का आह्वान किया। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए।

- 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं,12 नेशनल हाईवे किए जाम

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी विरोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे और यहां विरोध रैली में शामिल हुए। उनके साथ तेजस्वी यादव और वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी भी शामिल हुए। इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए

निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। उन्हें यहां से आगे जाने की परमिशन नहीं दी गई। यहीं से कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के बाद सभी नेता लौट गए। यहां से चुनाव आयोग का ऑफिस करीब 150 मीटर दूर था। राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग मैं आपको साफ बोल रहा हूं। मैं बिहार की जनता को स्पष्ट कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था वैसे ही अब बिहार में होगा।

छांगुर बाबा की कोठी पर दूसरे दिन भी हुआ ऐक्शन

गरज रहा है योगी का बुलडोजर,चकाचौंध देख सब हैरान

बलरामपुर (एजेंसी)। यूपी में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की कोठी पर दूसरे दिन भी बुलडोजर चला। प्रशासन को कोठी के अंदर एक मिनी पावर हाउस मिला है। बाथरूम में भी विदेशी ब्रांड के सामान मिले हैं। इसके अलावा, कोठी के अंदर एक घोड़ा भी बंधा मिला। छांगुर बाबा ने 6 जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी पाल रखे थे, जिन्हें गांव वाले उठा ले गए थे। हालांकि, जब पुलिस ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी, तो गांव वालों ने कुत्ते वापस सौंप दिए। बलरामपुर के उतरौला में बुधवार सुबह 10 बजे प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर कोठी पर पहुंची। कोठी में जहां लाल निशान लगा था, उसे तोड़ना शुरू किया। सीएम योगी ने आजमगढ़ में कहा- बलरामपुर में हमने एक जल्लाद को गिरफ्तार किया है। आपने देखा होगा कि वह कैसे हिंदू बहन-बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करता था।

हिंद महासागर में 6 स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट उतारने की तैयारी

नौसेना की मारक क्षमता बढ़ेगी,17ए प्रोजेक्ट यानी भारत के दुश्मनों की तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना अगले एक साल में छह अत्याधुनिक स्वदेशी युद्धपोतों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी ताकत और बढ़ जाएगी। दरअसल, चीन इस क्षेत्र में अपना प्रभाव लगातार बढ़ाए जा रहा है। ऐसे में यह कदम भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। ये सारे स्टील्थ फ्रिगेट प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए जा रहे हैं। इन सभी में अत्याधुनिक तकनीकों की भरमार है। अगस्त-सितंबर 2026 तक ये सभी छह नौसेना में शामिल हो जाएंगे। इन स्टील्थ फ्रिगेट के नाम हैं- उदयगिरि, तारागिरि, महेंद्रगिरि, हिमगिरि, दुनागिरि और विंध्यगिरि। बनने के बाद ये सारे अत्याधुनिक जंगी जहाज भारत की युद्धपोत निर्माण की क्षमता दिखाएंगे। 17ए स्टील्थ फ्रिगेट में 75 फीसदी कलपुर्जे भारत में ही बने हैं। ये समुद्र

में होने वाली लड़ाइयों में दुश्मनों को हराने में सक्षम हैं। नौसेना ने पहला पी-17ए युद्धपोत, नीलगिरी, जनवरी में ही शामिल किया था। उम्मीद है कि उदयगिरि अगस्त में शामिल हो जाएगा। 45,000 करोड़ का पी-17ए प्रोजेक्ट, शिवालिक-क्लास का ही अगला रूप है। यह पहले के युद्धपोतों से बेहतर है। तारागिरि और महेंद्रगिरि को मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड बना रहा है। हिमगिरि, दुनागिरि और विंध्यगिरि को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड बना रहा है। ये अभी अलग-अलग चरणों में हैं। हाल में एम-17ए के इंचार्ज जय वर्गीज के अनुसार जब एम-17ए शुरू हुआ, तो कुछ दिक्कतें आईं... पहले जहाज में। उसके बाद प्रोजेक्ट आसानी से आगे बढ़ा।

21वीं सदी में मजबूत नौसेना की ओर बढ़ा भारत

जानकारी के अनुसार हिमगिरि को जुलाई के अंत तक, दुनागिरि को अगले साल की शुरुआत में और विंध्यगिरि को अगस्त 2026 में नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है। 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन स्वदेशी युद्ध प्लेटफार्मों को देश को समर्पित किया था। इनमें नीलगिरी भी शामिल था। विध्वंसक जहाज सूरत के अलावा वाग्शीर और अंतिम कलवारी-क्लास पनडुब्बी भी उसी दिन शामिल की गईं। वाग्शीर को भी हाल में बनाया गया है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा था कि यह 21वीं सदी की भारतीय नौसेना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कर्मचारी हड़ताल

ट्रेड यूनियन्स का दावा सफल रहा आंदोलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक, बीमा, डाक और पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसी सर्विसेज 9 जुलाई को देश में कई जगहों पर प्रभावित रहीं। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने हड़ताल बुलाई थी। यूनियन का दावा है कि देशभर में 25 करोड़ कर्मचारी हड़ताल पर रहे। ट्रेड यूनियंस निजीकरण और 4 नए लेबर कोड्स के विरोध में हैं। ये केंद्र की उन नीतियों का विरोध कर रही हैं, जिन्हें वे मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक मानती हैं। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक देश में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में 56 करोड़ कर्मचारी हैं। इसमें इनफॉर्मल सेक्टर में 50 करोड़ कर्मचारी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक के पहले नगरीय प्रशासन एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने पौधा भेंटकर सम्मान किया।

सड़क दुर्घटना रोकने जिलों में चलेगा जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम

परिवहन विभाग ने सभी कमिश्नर्स एवं जिला कलेक्टर्स को जारी किये निर्देश

भोपाल (नप्र)। केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देश के 100 ऐसे जिले जहां अधिक संख्या में घातक सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, उन्हें 'सेफ लाईफ फाउण्डेशन' के सर्वे के माध्यम से चिन्हित किया है। देश के चिन्हित इन 100 जिलों में मध्यप्रदेश के 6 जिले चिन्हित किये गये हैं। ये जिले धार, सागर, सतना, रीवा, जबलपुर एवं खरगोन हैं। धार जिले में वर्ष 2023 के आकलन अनुसार सबसे अधिक घातक सड़क दुर्घटनाएं हुई है।

इन सड़क दुर्घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा 'जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' के तहत सभी जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि इन सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को चिन्हित करते हुए योजना तैयार की जाये। इसके बाद आवश्यक कार्य किए जाएं जिससे इन सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके। आईआईटी मद्रास के सेंटर ऑफ एक्सीलैंच आफ रोड सेफ्टी ' द्वारा ऐसी रणनीति पर कार्य किया गया है, जिसके तहत प्रत्येक स्थल एवं सड़क कॉरिडोर जहाँ दुर्घटनाएं अधिक संख्या में हो रही हैं, वहां कम लागत वाले अति स्थानीय कार्यों को चिन्हित किया गया है। उन कार्यों के लिये जिला प्रशासन को सहयोग दिया जाएगा। इस संबंध में राज्य शासन के परिवहन विभाग की ओर से सभी कमिश्नर एवं जिला कलेक्टर्स को विस्तृत निर्देश जारी किये गये हैं। मुख्य सचिव द्वारा भी इस कार्य की लगातार समीक्षा की जा रही है। कार्य योजना के तहत सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि वे जिले में एडीएम अथवा एसडीएम स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करें तथा यह नोडल अधिकारी जिले की सड़क एजेन्सियों के अधिकारियों के साथ बैठक करके संभावित दुर्घटना स्थलों और सड़क कॉरिडोर की जानकारी संकलित करें। ऐसे स्थल अथवा सड़क कॉरिडोर जहां लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं उन्हें एनआईसी e-DAR पोर्टल से चिन्हित किया जा सकेगा।

कुछ ऐसे स्थल, जहां संभावित घातक दुर्घटना हो सकती हैं तथा वर्तमान में छुटपुट दुर्घटनाएं निरंतर हो रही हैं, ऐसे स्थलों की जानकारी जैसे स्थानीय पुलिस, स्थानीय निकायों, आमजन आदि से एकत्रित करने के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं। जिले के ऐसे चिन्हित सड़क दुर्घटनाओं के स्थल एवं सड़क कॉरिडोर का निरीक्षण सभी संबंधित सड़क एजेंसी के जिला अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रूप से किया जायेगा तथा दुर्घटना के तकनीकी और इंजीनियरिंग कारणों को आंकलित कर लेखबध्द किया जाएगा। मौका निरीक्षण के बाद तकनीकी कारण जिनकी वजह से दुर्घटनाएं हो रही हैं उनकी जानकारी लेने के बाद निराकरण के लिये अतिस्थानीय एवं कम लागत के उपाय भी संबंधित सड़क एजेन्सी के इंजीनियर करेंगे। जिला कलेक्टर, नोडल अधिकारी एवं सड़क एजेन्सी के इंजीनियर के माध्यम से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में इनकी प्रस्तुतिकरण की जायेगी। इन कम लागत से होने वाले व्यय के लिये लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक जिले में समुचित बजट प्रावधान सुनिश्चित किया जाये। इस पर होने वाले व्यय के लिये राशि जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि, सांसद एवं विधायक निधि से प्राप्त करने के प्रयास किये जायेंगे।

गला रेतकर की गई थी इंजीनियर की हत्या

चार दिन बाद अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज, कार में मिली थी लाश

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सूखी सेवनिया इलाके में चार दिन पहले कार में बंद सिविल इंजीनियर की लाश मिलने के मामले में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। पीएम रिपोर्ट में गला रेतकर हत्या किए जाने की बात का खुलासा हुआ है। इंजीनियर की गुमशुदगी बागसेवनिया थाने में दर्ज थी। पुलिस जांच कर आरोपियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि गत 6 जुलाई की शाम को सूचना मिलने पर पुलिस ने बीजासेन फार्म हाउस के पास पिपलिया जाहिर पीर के पास से एक युवक की लगभग तीन दिन पुरानी लाश बरामद की थी। कार की ड्राइविंग सीट पर लाश मिली थी। लाश दो-तीन दिन पुरानी होने के कारण फूल गई थी। इस कारण मृतक के शरीर पर चोट से निशान दिखाई नहीं दे रही थे।

प्रापर्टी डीलिंग का काम करता था कपिल

पुलिस ने मृतक की पहचान संत आशाराम नगर बागसेवनिया निवासी कपिल शर्मा पुत्र भूपेन्द्र शर्मा (46) के रूप में की थी। कपिल शर्मा सिविल इंजीनियर था और प्रापर्टी डीलिंग का काम करता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा। जहां से कल पुलिस को पीएम रिपोर्ट मिली। पीएम रिपोर्ट में पता चला कि मृतक कपिल का किसी धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या की गई थी। इसके बाद उसे सुनसान स्थान पर कार में छोड़ दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है।

पत्नी ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

पुलिस को मामले की जांच के दौरान पता चला है कि कपिल शर्मा गत 3 जुलाई को अपने घर से काम के सिलसिले में निकला था। रात दस बजे तक कपिल शर्मा ने अपने दोस्त दीपक कुशवाहा के साथ पार्टी भी की थी। इसके बाद दोस्त दीपक अपने घर चला गया था। कपिल शर्मा की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। जिसके बाद उसने दूसरी शादी की थी। जब वह लापता हुआ था तब उसकी दूसरी पत्नी रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित नीलबड़ मायके में गई हुई थी। वह मायके से लौटकर आई तो पति उसे घर पर नहीं मिला था। कई बार कॉल करने पर भी कॉल रिसीव नहीं हो सका था।

मंत्री निवास के सामने निजी स्कूल संचालकों का प्रदर्शन

आरोप- नए नियमों के कारण 70 हजार शिक्षक हुए बेरोजगार, सवा लाख बच्चे शिक्षा से वंचित

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार के नए और सख्त नियमों से छोटे और मध्यम प्राइवेट स्कूलों में ताला लगाने की नौबत आ गई है। मध्य प्रदेश प्राइवेट स्कूल वेलफेयर संचालक मंच ने इसके विरोध में बुधवार को 74 बंगला स्थित स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के घर के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान रीवा, जबलपुर, सागर समेत प्रदेशभर से प्रभावित निजी स्कूल संचालक एकत्र हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तानाशाही और अव्यवहारिक नियमों के चलते 4,820 स्कूलों ने मान्यता के लिए आवेदन ही नहीं किया है। इससे 60 से 70 हजार शिक्षकों के बेरोजगार होने और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत पढ़ने वाले सवा लाख से अधिक गरीब बच्चों के शिक्षा से वंचित होने का खतरा मंडरा रहा है।

नए नियम बने मुसीबत

संचालक मंच के प्रदेश अध्यक्ष शैलेष तिवारी के अनुसार, सरकार ने मान्यता के लिए कई ऐसे नियम थोप दिए हैं, जो छोटे स्कूलों के लिए असंभव हैं। इनमें रजिस्टर्ड किरायानामा, सुरक्षा निधि और भारी-भरकम मान्यता शुल्क प्रमुख हैं। रजिस्टर्ड किरायानामा सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरा है, क्योंकि मकान मालिक इसके लिए तैयार नहीं हो रहे या फिर किराया और एडवांस बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नए भवन में स्कूल बदलना भी एक महीने में संभव नहीं है और खुद की जमीन पर बिल्डिंग बनाना तो दूर की बात है।

गलत कागज देने वालों को मिली मान्यता: जबलपुर से आए निजी स्कूल संचालकों ने आरोप लगाया कि अब नियम है कि रजिस्टर्ड किरायानामा जमा करना होगा। इसके बाद भी कई स्कूलों ने पुराने तरीके वाला सामान्य किरायानामा ही पोर्टल पर जमा किया, उन्हें मान्यता भी दे दी गई। हम ईमानदारी से अपनी बात रख रहे हैं, तो कोई सुनवाई नहीं हो रही। 22 दिन पहले हमने राज्य शिक्षा केंद्र के सामने भी प्रदर्शन किया था। अब तक अधिकारियों से लेकर जिम्मेदार लगातार हमारी मांगों को नजरअंदाज करते आ रहे हैं।

सरकार पर सोची-समझी रणनीति का आरोप: संचालक मंच के कोषाध्यक्ष मोनू तोमर ने कहा, यह सब प्राइवेट स्कूलों को आर्थिक रूप से कमजोर करने की सोची-समझी साजिश है। सरकार पिछले कई सालों से RTE के तहत गरीब बच्चों की फीस का भुगतान भी नहीं कर रही है। 2016 से 2022 तक के पैसे भी अधिकांश स्कूलों को नहीं मिले हैं, जबकि वे खुद एक दिन की देरी पर स्कूलों पर जुर्माना लगा देते हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब 2011 में नोटरी कृत किराए-नामे पर मान्यता मिल जाती थी, तो अब शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने ये नए नियम क्यों थोपे हैं? यह सिर्फ राजस्व बढ़ाने और बड़े-बड़े स्कूलों को फायदा पहुंचाने की कोशिश है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

इन नियमों के विरोध में 4,820 स्कूलों ने शुरू से ही मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया है। इन स्कूलों को बंद करने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि संचालक इन्हें चलाना चाहते हैं। मोनू तोमर ने कहा कि भोपाल में इकट्ठा हुए सभी प्राइवेट स्कूल संचालकों ने चेतावनी दी है कि अगर मान्यता पोर्टल नहीं खोला गया और RTE का पुराना व दो साल से रुका हुआ पैसा नहीं मिला, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे और उग्र आंदोलन छेड़ेंगे।

भदभदा डेम के पास दिखा मगरमच्छ

किनारे पर आराम करते मिला; लोगों को देखते ही पानी में उतरा

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के भदभदा डेम किनारे एक बड़ा मगरमच्छ आराम फरमाते दिखाई दिया। जैसे ही लोग उसके करीब पहुंचे, वह पानी में उतर गया। मगरमच्छ का वीडियो भी सामने आया है। खतरे को देखते हुए बुधवार को नगर निगम का अमला भी मौके पर पहुंचा और लोगों को खदेड़ा। बता दें कि कलियासोत और भदभदा डेम में 20 से ज्यादा मगरमच्छ हैं। अभी पानी कम है। इसलिए मछली पकड़ने वाले खतरा उठा रहे हैं। हर रोज कई लोग मछली पकड़ने के लिए डेम किनारों पर बैठ रहे हैं। यहीं पर मगरमच्छ होते हैं। मगरमच्छ का जो वीडियो सामने आया है, उसे किनारे पर मौजूद लोगों ने बना लिया। हालांकि, उनकी चहल-कदमी के बाद मगरमच्छ पानी में चला गया।

कई बार हो चुके हमले: कलियासोत डेम में मगरमच्छ-घड़ियाल के हमलों के कई मामले सामने आ चुके हैं। जून-2020 में डेम के गेट नंबर 13 के पास मछली पकड़ रहे एक युवक को मगरमच्छ खींचकर पानी में ले गया था। बाद में उसका शव मिला था। इसके बाद कई बार मगरमच्छ सड़कों पर दिखाई दे चुके हैं। खासकर कलियासोत डेम में 13 शटर के पास अक्सर इनकी मौजूदगी देखने को मिलती है। कलियासोत डेम किनारों पर इस तरह से चेतावनी बोर्ड लगाया गया है। फिर भी लोग मानते नहीं और किनारों पर पहुंच जाते हैं। इससे खतरा बढ़ जाता है।

कलियासोत, भदभदा और केरवा में हैं मगरमच्छ-घड़ियाल: दो साल पहले वन विभाग ने मगरमच्छ और घड़ियाल की संख्या को लेकर सर्वे भी कराया था। सर्वे में कलियासोत डेम में 21 और केरवा डेम में 1 मगरमच्छ मिला था। इनमें 9 वयस्क थे। मगरमच्छों की लंबाई 3 से 9 फीट है। इसके बाद नाइट सर्वे हुआ। जिसमें इनकी संख्या बढ़ गई थी। हालांकि, एक्सपर्ट मगरमच्छ और घड़ियाल की संख्या ज्यादा होने की बात कहते हैं। कई बार मगरमच्छ कलियासोत से निकलकर भदभदा डेम तक पहुंच जाते हैं।

सावन महीने में रविवार को लगेंगे उज्जैन में स्कूल

सोमवार की छुट्टी पर कांग्रेस विधायक बोले- दूसरे धर्मों को ऐसी छूट मिलेगी क्या, बीजेपी ने दिया जवाब

भोपाल (नप्र)। सावन महीने में महाकाल सवारी के चलते उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने स्कूलों की छुट्टियों में बदलाव किया है। अब जुलाई और अगस्त में तय तारीखों पर सोमवार को स्कूल बंद रहेंगे और रविवार को स्कूल संचालित होंगे। आदेश के अनुसार, नगरीय क्षेत्र के सरकारी और निजी स्कूलों में 4 जुलाई, 21 जुलाई, 28 जुलाई, 4 अगस्त और 11 अगस्त को सोमवार के दिन अवकाश रहेगा। इसके बदले 13 जुलाई, 20 जुलाई, 27 जुलाई, 3 अगस्त और 10 अगस्त को रविवार के दिन स्कूल खुले रहेंगे। यह आदेश कक्षा पहली से 12वीं तक के सभी स्कूलों पर लागू होगा।

महाकाल सवारी के दौरान ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित: जिला प्रशासन का कहना है कि सावन में निकलने वाली महाकाल सवारी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं और कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट रहता है। इससे विद्यार्थियों और अभिभावकों को असुविधा न हो, इसलिए यह समायोजन किया गया है।

राजनीतिक बयानबाजी शुरू : कांग्रेस विधायक ने उठाए सवाल

कलेक्टर के आदेश पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि महाकाल की सवारी सालों से निकल रही है, लेकिन पहली बार ऐसा आदेश आया है। अगर दूसरे धर्म के लोग भी इसी तरह की मांग करें तो क्या उन्हें भी छुट्टी दी जाएगी? देश संविधान से चलता है, धर्म विशेष के लिए नहीं। लगता है कलेक्टर ने मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए यह आदेश दिया है।

कार की टक्कर से गार्ड की मौत

ड्यूटी से घर लौटते समय अज्ञात कार की चपेट में आए थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एयरपोर्ट रोड पर मंगलवार की देर रात अज्ञात कार ने सिक्योरिटी गार्ड को टक्कर मार दी। हादसे में घायल गार्ड की इलाज के दौरान बुधवार सुबह मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार दोपहर पीएम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक दयालचंद गढ़वाल पुत्र नाथूराम गढ़वाल (54) निवासी पतंजलि परिसर लालघाटी के एक मैरिज गार्डन में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे।

कार ने पीछे से मारी टक्कर

मंगलवार को ड्यूटी से घर पैदल लौट रहे थे। मनुआभान टेकरी के पास उन्हें पीछे से अज्ञात कार ने जोरदार टक्कर मारी। हादसे के बाद आरोपी चालक कार सहित फरार हो गया। घायल को राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक दयालचंद परिवार के इकलौते कमाने वाले शख्स थे। उनका एक बेटा और एक बेटी हैं। पुलिस घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

मंत्री पटेल ने नवनियुक्त जनपद पंचायत सीईओ एवं विकासखंड अधिकारियों से की सौजन्य भेंट

भोपाल(नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बुधवार को अपने निवास पर नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं विकासखंड अधिकारियों से सौजन्य भेंट की। उन्होंने सभी अधिकारियों को सौपे गये दायित्वों के सफल निर्वहन के लिये शुभकामनाएँ दी। उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर कोर्स डायरेक्टर श्री वीरेन्द्र पटेल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2022 से चयनित 23 मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं विकासखंड अधिकारियों का 45 दिवसीय प्रशिक्षण 26 मई से प्रारंभ हुआ था। प्रशिक्षण के दौरान नव नियुक्त अधिकारियों को विषय-विशेषज्ञों द्वारा विभागीय योजनाओं एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों को महिला बाल विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कृषि, उद्यानिकी, श्रम सहित 12 विभिन्न विभागों में प्रशिक्षण दिलाया गया एवं विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। आदर्श ग्राम पंचायत भोजपुर, आदर्श जनपद पंचायत सांची और जिला पंचायत भोपाल का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों को सांची,

भीमबेटका, भोजपुर सहित अन्य पर्यटन स्थलों एवं विधानसभा, विकास भवन, संभाग आयुक्त कार्यालय सहित प्रमुख प्रशासकीय कार्यालयों का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण समापन के उपरांत नवनियुक्त अधिकारियों को जनपद पंचायतों एवं विकासखंडों में पदस्थ किया गया है।

मुख्यमंत्री के युवाओं को रोजगार संपन्न बनाने की घोषणा पर अमल

एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहित कर उपलब्ध कराई जा रही है सहायता : मंत्री श्री काश्यप

- 18 लाख एमएसएमई इकाइयों में 56 हजार करोड़ का निवेश
- 94 लाख से अधिक लोगों को मिला रोजगार

राइस मिल के मालिक बने रवि को 53 लाख सब्सिडी

पन्ना जिले के गांव गिरवारा निवासी रवि पाठक ने अर्चना राइस मिल नाम से अपना व्यवसाय आरंभ किया। इससे धान प्रसंस्करण के क्षेत्र में उन्हें विशिष्ट पहचान मिली है। रवि ने यह व्यवसाय एमएसएमई प्रोत्साहन योजना की सहायता से प्रारंभ किया। इसमें उन्होंने 133.83 लाख रूपये का निवेश किया, योजना के तहत उन्हें 53.53 लाख रूपये की सहायता मिली। इस योजना के लाभ से रवि का व्यवसाय बहुत अच्छा चल रहा है।

भोपाल (नप्र)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने बताया कि प्रदेश में रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रभावी पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्योग और रोजगार वर्ष की घोषणा के अनुरूप विभाग लगातार एमएसएमई की स्थापना और रोजगार सृजन के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। केंद्र और राज्य की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं, महिलाओं और स्व-सहायता समूहों को ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा रहा है। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि प्रदेश में 18 लाख पंजीकृत एमएसएमई इकाइयों द्वारा 56 हजार करोड़ रूपये से अधिक निवेश कर 94 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया गया है।

इसी तरह 5,342 स्टार्टअप, 72 इनक्यूबेटर और 2,542 महिला स्टार्टअप्स के माध्यम से 54 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 10,352 युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि रोजगार सृजन के इस सबसे सशक्त माध्यम को और प्रभावी बनाया गया है। एमएसएमई विकास नीति 2025, स्टार्टअप नीति 2025 और औद्योगिक भूमि आवंटन नियम 2025 के माध्यम से प्राथमिकता क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। स्टार्टअप नीति का लक्ष्य 10 हजार डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करना है। हाल ही में रतलाम में संपन्न हुई रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एण्ड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव इसका उदाहरण है, जहां वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश में अभी तक लाभान्वित हुए 2.37 लाख से अधिक लोगों को जिन्हें लगभग 2400 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण बैंकों/वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से मिला है, उनकी उपलब्धि को प्रदर्शित किया गया। साथ ही विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत प्रदेश के 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को 3861 करोड़ रूपये से अधिक का ऋण वितरित किया गया है। इसी तरह 880 एमएसएमई औद्योगिक इकाइयों को 269 करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई गई है। इन प्रयासों की अनेक सफल कहानियां भी नवउद्यमियों को प्रेरित कर रही है।

7 जरूरतमंद को रोजगार से जोड़ा: इस व्यवसाय के शुरू होने से न सिर्फ रवि ने प्रगति की है बल्कि उन्होंने सात अन्य जरूरतमंद लोगों को रोजगार से जोड़ा है। रवि बताते हैं कि हमारी इकाई में गुणवत्ता का खास खयाल रखा जाता है जिससे कि ग्राहकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

संपादकीय

पदोन्नति में फिर पेंच

मध्यप्रदेश के साढ़े सात लाख सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति का मामला लगता है कि फिर 'जैसे थे' की स्थिति में पहुंच गया है। अब पेंच पदोन्नति में आरक्षण पर फंसा है। करीब एक दशक से प्रमोशन की राह तक रहे कर्मचारियों को जल्दी खुशखबर मिलने की आस जबलपुर हाई कोर्ट द्वारा सरकार द्वारा बनाए गए पदोन्नति आदेश 2025 पर सवालिया निशान लगाते हुए 15 जुलाई तक विभिन्न विभागों में डीपीसी पर रोक लगा दी है। इस बीच खबर है कि सरकार ने हाई कोर्ट द्वारा पदोन्नति के नए और पुराने नियमों की जानकारी और दोनों में फर्क के संदर्भ में रिपोर्ट तैयार कर ली है, जिसे राज्य महाधिवक्ता को सौंपा जाएगा, जो सरकार का पक्ष कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी उठ रहा है कि यह जानकारी पहले की तैयार क्यों नहीं कर ली गई? क्योंकि जो पदोन्नति नियम बनाए गए हैं, उस पर कर्मचारी संगठनों की सहमति नहीं थी। ऐसे में मामला कोर्ट में जाना ही था। दूसरी तरफ कई विभागों ने डीपीसी (पदोन्नति कमेटी की बैठक) करके नए नियमों के तहत प्रमोशन करना शुरू भी कर दिया था। लेकिन जब तक इस मामले से जुड़े सभी पक्ष सहमत नहीं होंगे, तब तक प्रमोशन को लेकर विवाद जारी रहेंगे। गौरतलब है कि हाई कोर्ट ने सरकार से पूछा कि जब इसी विषय पर पहले से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है, तो उसने नए नियम क्यों बनाए? शीर्ष कोर्ट में याचिका क्यों लंबित है? नियम बनाने से पहले यह वापस क्यों नहीं ली गई? कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिविजन बेंच ने सोमवार को स्पष्ट किया कि सरकार ने नए नियम बनाए हैं तो बताना होगा कि पुराने नियम (2002) व नए नियम (2025) में क्या फर्क है। कोर्ट ने तुलनात्मक चार्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

याचिकाकर्ताओं का क्या तर्क है? फरियादी पक्ष के अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु ने तर्क दिया कि सरकार ने 2025 के नियमों में वही विवादित प्रावधान फिर से जोड़े हैं, जो 2002 के नियमों में थे। सुप्रीम कोर्ट यथास्थिति के आदेश दे चुका था। अब उन्हीं लोगों को प्रमोशन दिया जा रहा है, तो यह सुप्रीम कोर्ट की अवमानना के दायरे में आ सकता है। जब पहले से ही यह मामला शीर्ष अदालत में लंबित है, तो नए नियम बनाना अदालत की अवमानना के समान है। इस पर महाधिवक्ता प्रशांत सिंह का तर्क था कि यह नियम सुप्रीम कोर्ट की एम. नागराज केस और जरनैल सिंह केस की गाइडलाइन के आधार पर बनाया गया है। इसलिए प्रक्रिया पर रोक न लगाई जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के एम. नागराज केस में आदेश दिया था कि पहले यह देखा जाएगा कि जिस वर्ग को आरक्षण दिया जा रहा है, उसका पर्याप्त प्रतिनिधित्व है या नहीं। दूसरा- क्रीमीलेयर को भी देखना होगा। जिन्हें पदोन्नति दी जानी है, अगर वे सक्षम हो चुके हैं, तो पदोन्नति क्यों दी जाए? इस बीच पदोन्नति में आरक्षण से जुड़ी 2002 के पुराने और 2025 के नए नियम की तुलनात्मक रिपोर्ट सरकार कर ली है। इसी रिपोर्ट के आधार पर सरकार हाई कोर्ट को बताएगी कि दोनों नियमों में क्या अंतर है और इसमें सभी वर्गों (आरक्षित यानी अजा-अजजा और अनारक्षित) को कैसे प्रतिनिधित्व मिलेगा।

सरकार हाईकोर्ट को बताएगी कि जितने भी मामलों में शीर्ष अदालत से निर्देश मिले हैं, उन्हीं के आधार पर नए नियम बनाए गए हैं। प्लस चार लोगों को बुलाया जाएगा। इससे अनारक्षित वर्ग को प्रतिनिधित्व मिल जाएगा। अब देखना है कि हाई कोर्ट सरकार की दलीलों से कितनी संतुष्ट होती है। कुल मिलाकर ढाक के तीन पात जैसी स्थिति है।

नजरिया

अजय कुमार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अखिलेश को बड़ा झटका देने की तैयारी

अखिलेश ने अंततः स्थानीय पंडितों से पूजा करवाई, और कुछ स्रोतों के अनुसार, पुजारी चंदन कुशवाहा ने इस कार्य को संपन्न किया। लेकिन सवाल यह उठता है कि पीडीए भवन के उद्घाटन जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर, जब अखिलेश अपनी पीडीए रणनीति को और मजबूत करने की बात कर रहे थे, तब उन्होंने पीडीए समुदाय के किसी विद्वान को पूजा के लिए क्यों नहीं चुना? यह सवाल न केवल उनके विरोधियों, बल्कि उनके समर्थकों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इसे अखिलेश की रणनीति में विरोधाभास बताया। एक यूजर ने लिखा, 'भवन का नाम तो रख दिया, लेकिन पूजा ब्राह्मणों से ही करवानी है। क्या पीडीए में कोई विद्वान नहीं था?' एक अन्य यूजर ने तंज कसते हुए कहा, 'अखिलेश जी को कोई पीडीए का पंडित नहीं मिला क्या? कथनी और करनी में अंतर साफ दिखता है।' इन टिप्पणियों ने सपा के पीडीए फार्मूले पर सवाल उठाए, जिसे अखिलेश ने हाल के वर्षों में अपनी पार्टी की छवि को यादव-मुस्लिम से हटाकर व्यापक बनाने के लिए अपनाया था।

आजमगढ़, उत्तर प्रदेश का एक ऐसा जिला जो समाजवादी पार्टी (सपा) का गढ़ माना जाता है, 3 जुलाई 2025 को एक बार फिर सुर्खियों में था। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने नए आवास और पार्टी कार्यालय, जिसे उन्होंने पीडीए भवन नाम दिया, का उद्घाटन और गृह प्रवेश किया। यह भवन अनवरगंज में 72 बिस्वा जमीन पर बना है, जिसमें अखिलेश का निजी निवास, पार्टी कार्यालय, और समर्थकों के लिए एक बड़ा हॉल शामिल है। लेकिन इस भव्य आयोजन के बीच एक सवाल ने सबका ध्यान खींचा अखिलेश ने गृह प्रवेश की पूजा के लिए काशी के ब्राह्मण विद्वानों को आमंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के किसी विद्वान को क्यों नहीं बुलाया? यह सवाल न केवल सियासी गलियारों में, बल्कि सोशल मीडिया और स्थानीय जनता के बीच भी चर्चा का विषय बन गया। बात ब्राह्मण समाज की नाराजगी की कि जाये तो ब्राह्मण सभा ने सपा कार्यालय और आवास के गृह प्रवेश के लिये गये ब्राह्मणों को अपने समाज से निकाल दिया है। ब्राह्मणों की यह नाराजगी सपा को 2027 के चुनाव में भारी पड़ सकती है, यूपी में करीब 10 प्रतिशत ब्राह्मण हैं।

आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी का यह नया कार्यालय 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अखिलेश ने इसे पीडीए भवन नाम देकर अपनी रणनीति को स्पष्ट कर दिया। पीडीए, यानी पिछड़ा, दलित, और अल्पसंख्यक सपा की राजनीतिक रणनीति का आधार रहा है, जिसने 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 37 सीटें दिलाकर उत्तर प्रदेश में बीजेपी के विजय रथ को रोकने में मदद की। अखिलेश ने उद्घाटन समारोह में कहा, 'पीडीए की एकता ही हमें 2027 में सत्ता दिलाएगी।' इस भवन को न केवल एक कार्यालय, बल्कि एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी देखा जा रहा है, जहां युवाओं को समाजवादी विचारधारा से जोड़ा जाएगा।

लेकिन इस आयोजन की चमक उस समय फीकी पड़ गई, जब यह खबर आई कि अखिलेश ने गृह प्रवेश की पूजा के लिए काशी के ब्राह्मण विद्वानों को बुलाने की इच्छा जताई थी, लेकिन वे नहीं आए। सूत्रों के अनुसार, काशी के पंडितों ने इटावा में हाल ही में हुए एक विवाद, जिसे 'इटावा कथावाचक कांड' कहा जा रहा है, के कारण नाराजगी जताते हुए पूजा कराने से मना कर दिया। इस कांड में अखिलेश के कुछ बयानों को ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ माना गया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर दान-दक्षिणा और पूजा-पाठ की परंपराओं पर सवाल उठाए थे।

अखिलेश ने अंततः स्थानीय पंडितों से पूजा करवाई, और कुछ स्रोतों के अनुसार, पुजारी चंदन कुशवाहा ने इस कार्य को संपन्न किया। लेकिन सवाल यह उठता है कि पीडीए भवन के उद्घाटन जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर, जब अखिलेश अपनी पीडीए रणनीति को और मजबूत करने की बात कर रहे थे, तब उन्होंने पीडीए समुदाय के किसी विद्वान को पूजा के लिए क्यों नहीं चुना? यह सवाल न केवल उनके विरोधियों, बल्कि उनके समर्थकों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इसे अखिलेश की रणनीति में विरोधाभास बताया। एक यूजर ने लिखा, 'भवन का नाम तो रख दिया, लेकिन पूजा ब्राह्मणों से ही करवानी है। क्या पीडीए में कोई विद्वान नहीं था?' एक अन्य यूजर ने तंज कसते हुए कहा, 'अखिलेश जी को कोई पीडीए का पंडित नहीं मिला क्या? कथनी और करनी में अंतर साफ दिखता है।' इन टिप्पणियों ने सपा के पीडीए फार्मूले पर सवाल उठाए, जिसे अखिलेश ने हाल के वर्षों में अपनी पार्टी की छवि को यादव-मुस्लिम से हटाकर व्यापक बनाने के लिए अपनाया था।

आजमगढ़ में पूजा के लिए ब्राह्मण विद्वानों को बुलाने की कोशिश को भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। अखिलेश शायद यह संदेश देना चाहते थे कि उनकी पार्टी सभी समुदायों को साथ लेकर चल रही है। लेकिन काशी के पंडितों की अनुपस्थिति और स्थानीय पंडितों द्वारा पूजा करवाने ने इस संदेश को कमजोर कर दिया। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश का यह कदम उनकी पीडीए रणनीति को मजबूत करने का प्रयास था, लेकिन यह उल्टा पड़ गया।

इस आयोजन को और चर्चा में लाने वाला एक अन्य पहलू था ब्राह्मण महासभा और विश्व हिंदू महासंघ के सदस्यों का विरोध। कुछ प्रदर्शनकारियों ने अखिलेश के खिलाफ काले झंडे लहराए और उन पर ब्राह्मण समुदाय की छवि खराब करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, एक सुरक्षा चूक ने भी सुर्खियां बटोरीं, जब एक युवक बैरिकेडिंग तोड़कर मंच के करीब पहुंच गया। पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में लिया, लेकिन इस घटना ने अखिलेश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए।

इन विवादों के बावजूद, पीडीए भवन का उद्घाटन समाजवादी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भवन न केवल अखिलेश का दूसरा घर है, बल्कि पूर्वांचल में सपा की सियासी रणनीति का केंद्र भी बनेगा। अखिलेश ने अपने भाषण में बीजेपी पर जमकर हमला बोला और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का श्रेय अपनी सरकार को दिया। उन्होंने कहा, लखनऊ से आजमगढ़ पहुंचने में उतना ही समय लगता है, जितना सैफई। यह हमारे द्वारा बनाए गए एक्सप्रेसवे की बदौलत है।

बहरहाल, आजमगढ़ में पीडीए भवन का उद्घाटन और गृह प्रवेश एक सियासी मास्टरस्ट्रोक हो सकता था, लेकिन ब्राह्मण विद्वानों की अनुपस्थिति और पीडीए समुदाय के विद्वानों को न बुलाने का फैसला सवालों के घेरे में आ गया। जहां वे एक तरफ अपने मूल समर्थक वर्ग को मजबूत करना चाहते हैं, तो दूसरी तरफ सवर्ण वोटरों को भी साधने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 के चुनावों में यह रणनीति कितनी कारगर होगी, यह तो समय ही बताएगा।

गुरूपूर्णिमा विशेष

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट
लेखक स्तंभकार हैं।

गुरू के बिना खुद को अनाथ समझना

सनातन वैदिक संस्कृति तथा जीवन पद्धति की समृद्ध परम्परा में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु में दो अक्षर हैं 'गु' जिसका अर्थ है अंधकार तथा 'रु' का अर्थ है प्रकाश! अर्थात गुरु वह तत्व है जो अन्धकार को मिटाता है और प्रकाश को फैलाता है। अज्ञान को मिटाता है और ज्ञान की ज्योति को जलाता है, इसी गुरु को प्रणाम करते हुए शिष्य कहता है-

अज्ञान तिमिरोधस्य ज्ञानाजनं शलाकया।
चक्षुरुन्मीलित येन तस्मै श्री गुरुवे नमः॥

गुरु वह ऊर्जावान, प्रज्ञावान महापुरुष है जो शिष्य की आंख में ज्ञान के अंजन की शलाका से अज्ञान के अन्धकार को दूर करते हैं और शिष्य के जीवन को धन्य करते हैं। किसी विद्वान ने अपने उद्बोधन में ही कहा है कि जाओ और गुरूजन की वाणी सुनो तथा उसे अपने हृदय में धारण करो जिससे जब तुम वापस आओ जो कोई नई वस्तु अपने साथ ला सको। श्रीरामचरित मानस में आता है,

गुरु बिन भव निधि तरइ न कोई।
जौ बिरंचि संकर सम होई॥

गुरु के बिना कोई भवसागर नहीं तर सकता, चाहें वह ब्रह्माजी और शंकरजी के समान ही क्यों न हो! सदगुरु का अर्थ शिक्षक या आचार्य नहीं है। शिक्षक अथवा आचार्य हमें थोड़ा-बहुत ऐहिक ज्ञान देते हैं लेकिन सदगुरु तो हमें निजस्वरूप का ज्ञान दे देते हैं। जिस ज्ञान की प्राप्ति के बाद मोह उत्पन्न न हो, दुःख का प्रभाव न पड़े और परब्रह्म की प्राप्ति हो जाए ऐसा ज्ञान गुरुकृपा से ही मिलता है। गुरू के बगैर व्यक्ति को प्राचीन काल में निगुरा या अनाथ कहा जाता था।

'सच्चे गुरु वे हैं, जिनके द्वारा हमको अपना आध्यात्मिक जन्म प्राप्त हुआ है। वे ही वह साधक हैं, जिसमें से होकर आध्यात्मिक प्रवाह हम लोगों में प्रवाहित होता है। वे ही समग्र आध्यात्मिक जगत के साथ हम लोगों के संयोग सूत्र हैं। व्यक्ति विशेष पर अतिरिक्त विश्वास करने से दुर्बलता और अन्तः सार शून्य विधिः पूजा आ सकती है, किन्तु गुरु के प्रति प्रबल अनुराग से उन्नति अत्यन्त शीघ्र सम्भव है। वे हमारे अन्तः स्थित गुरु के साथ हमारा संयोग करा देते हैं।

एक ऐसा शिष्य गुरु के पास जाता है जो आशा विहीन है तो वह गुरु के संपर्क में रहकर आत्मज्ञान प्राप्त कर अपनी आशा पूर्ण करता है। आज उसी एक गुरु की आवश्यकता है जो आत्मज्ञान कर सके उसके हर प्रश्न का उत्तर बन सके। इस तथ्य को एक उदाहरण से स्पष्ट किया जाए - शिष्य ने गुरुदेव से प्रश्न किया 'प्रकाश का स्रोत कहाँ है?' 'प्रकाश का स्त्रोत सूर्य है' - गुरुदेव का उत्तर था। 'और रात्रि में जब सूर्य नहीं होता तब?' 'तब प्रकाश का उत्स चन्द्रमा है।' 'अमावस्या की रात्रि में जब चन्द्रमा भी न हो, तब?' 'प्रकाश का आधार क्षीण बिन्दु तारे हैं।' 'वर्षा की रात्रि में जब तारे ही लुप्त हो जाए, तब?' 'तब दीपक का प्रकाश है।' 'झंझावात में दीपक भी बुझ जाए, तब?' 'तब प्रकाश का बिन्दु आत्मा में समाहित रहता है। आत्म-प्रकाश, आत्म-ज्ञान, प्रकाश का यह स्त्रोत अनष्वर व सर्वोपरि है। गुरुदेव का उत्तर सुनकर शिष्य जान गया कि 'जब घिर आए अंधकार सूझता न हो आर-पार, तब दीपक मन का जलाओ ज्योति की आशा जगाओ।' आज हमें ऐसे ही गुरु की आवश्यकता है जो हमारे मशीनी संस्करण में भी संवेदना फूँक सके, आत्म ज्ञान करा सके। आज हमारे सांस्कृतिक पतन के प्रमुख कारणों में एक यह भी महत्वपूर्ण कारण जुड़ गया है कि हमारे मध्य से वांछित गुरू गुम हो चुका है।

गुरु समाज का भी आईना है

गुरू का विहंगम रूप में अर्थ होता है कि समाज में उपस्थित एक प्रामाणिक प्रतिबिम्ब अर्थात् किसी भी सांसारिक पहलू को परखने का मापदण्ड। प्रत्येक गुरु के व्यक्तित्व की मान्यताओं के आधार पर कुछ दृष्टि भेद स्वाभाविक हैं, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अपने विशिष्ट गुण-स्वभाव के अनुसार व्यवहार करता है परन्तु फिर भी विभिन्नता के मध्य एकत्व रहता है और यही ज्ञानवान होने का प्रमाण भी है। यही समाज को एक नवीन दिशा प्रदान करता है। आज के संदर्भों में देखा जाय तो यह प्रामाणिकता अब विरले ही दिखाई देती है। यही एक वजह है कि हमारे सभी के समक्ष आदर्शों का संकट है। आज के युवा आखिर किस दिशा में किस तरह और किसके मार्गदर्शन में आगे बढ़ें। इसलिए आज प्रत्येक व्यक्ति के अपने नियम हैं, कायदे हैं और वह उसी पर चलना पसंद करता है। वह अपने सिद्धांतों को ही कुतर्क के सहारे सही भी सिद्ध कर देता है। उसके कुतर्कों के लिए उसे उदाहरण भी बहुत मिल जाते हैं। विचारों में यह गिरावट का दौर पिछले दो दशकों से चल रहा है। तीक्ष्ण से तीक्ष्ण दिमाग भी बरगलाते हुए से दिखाई देते हैं। यह विडंबना ही है कि आज हमें यह बताने वाला गुरु विद्यमान नहीं है जो यह बता सके कि सभी चमकने वाली वस्तु सोना नहीं है और मृगतृष्णा का कोई अंत नहीं है।इस दौर में हमने यह भी महसूस किया है कि बुराई हमेशा सोने जैसे चमकीले छद्मावरण में ही सामने मिली है और लोगों ने उसे स्वर्ण समझ कर अपना लिया है। इस मुकाम पर हमें एक पारखी की आवश्यकता थी जो हमें बता सकता कि वास्तविक चमक क्या है।

गुरु अनुभव की खान

पुस्तकों से महज बिंदुवार अव्यवहारिक ज्ञान मिल सकता है तथा इसी तरह मशीनें भी कुछ हद तक पुस्तकों का सहज रूपान्तरण प्रस्तुत कर सकती हैं परन्तु व्यवहारिक और जमीनी सच्चाई तो किसी के अनुभव से ही मिल सकती है। यह जीवनानुभव गुरु से ही मिल सकता है। एक मशीन एक नदी की औसत गहराई तीन फीट बता सकती है परन्तु नदी की गहराई हर जगह थोड़े ही तीन फीट होगी। यह बात तो अनुभवी गुरु से ही मिल सकती है, इसके अभाव में डूबना तो स्वाभाविक है ही।

प्रकृति की प्रत्येक वस्तु और वे सारी अच्छी-बुरी घटनाएँ जो हमारे या दूसरे के जीवन में घटती है, वे सभी हमारी गुरू साबित हो सकती हैं, बशर्ते हम उन पर ध्यान दें। एक गलती में से यथार्थ को खोजकर यदि मूल बात का ज्ञान हमें हो जाय तो हो सकता है हम अगली बार गलती को दोहराएँगे नहीं। लेकिन यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि हमारे व्यक्तित्व का निर्माण किस ढ़ंग से हुआ है, हममें अच्छे-बुरे की पहचानने की क्षमता है भी कि नहीं और हम कितने संवेदनशील हैं। ज्ञान में से भी ज्ञान उतारने के लिए एक अच्छे गुरू की आवष्यकता होती है, वरना वह अर्थ का अनर्थ भी निकाल सकता है। भगवान कृष्ण ने स्वयं गीता के उपदेश में कहा है कि, 'उस ज्ञान को तू तत्वदर्शी ज्ञानियों के पास जाकर समझ, उनको भली-भाती दण्डवत् प्रणाम करने से, उनकी सेवा करने से और कपट छोड़कर सरलता पूर्वक प्रष्न करने से सभी कुछ जानने वाले गुरू तुझे वे सारे उत्तर देंगे, जो तू चाहता है।' अब यदि हमें असली ज्ञान की चाह है तो उसके लिए कठोर मेहनत के संस्कारों की नींव फिर से डालनी होगी क्योंकि सूर्य की किरणों के आनन्द लेने के लिए हम यह तो नहीं सोच सकते कि किरणें स्वयं दरवाजा खोलकर अंदर आ जाएगी, इसके लिए हमें बाहर जाना होगा। यही गुरू की महिमा है और तभी कहा भी गया है कि, 'गुरु बिनु होइ कि ज्ञान।'

ध्यान मूलं गुरूमूर्ति पूजा मूलं गुरोर्पदम्।
मंत्र मूलं गुरुवाक्यं मोक्ष मूलं गुरुकृपा॥

ध्यान में गुरु का स्वरूप, पूजा गुरु चरणों की, गुरु का वाक्य या निर्देश ही जीवन का मन्त्र होता है तो गुरु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन मुक्त होता है, आनन्द की सृष्टि होती है। यही जब जीवन का ध्येय बनता है।

डग-डग रोटी, पग-पग नीर

व्यंग्य

डॉ. श्रीकांत द्विवेदी
(साहित्यकार और व्यंग्यकार)

पिछले दिनों अखबार में एक मजेदार समाचार पढ़ने को मिला। समाचार ये था कि मध्यप्रदेश के एक पेट्रोल पंप पर प्रदेश के मुखिया के काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल भर दिया। इसके बाद अखबारों में पेट्रोल पंप सील, एफआईआर दर्ज और प्रदेश के सभी पेट्रोल पंप की जांच जैसी ख़बरें अख़बारों में दिखाई दी। जिसने भी इख़बरों को पढ़ा होगा, मुस्कराए बिना न रहा होगा। मैं भी मुस्कराया था। वाकई में दाद देनी होगी सम्बंधित पेट्रोल पंप वालों के दम गुर्दे की, जो मुख्यमंत्री के काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल भर दिया। वह भी एक-दो नहीं, बल्कि काफिले की सभी 19 गाड़ियों में। पानी मिला डीजल भरकर थोड़ी दूरी पर जाकर गाड़ियां एक-एक करके रुकने लगी।

इस तरह से गाड़ियों का रूकना तय था। भला पानी मिले डीजल से गाड़ी कैसे चलती। जबकि, इसी पानी से जिंदगी की गाड़ी जरूर चल जाती है। सत्र के दौरान संसद चले या न चले, मगर पानी पर राजनीति भी खूब चल जाती है। यानी पानी है, तो आज है, पानी है तो कल है। पानी के लिए कल-कल भी है। तभी तो सिंधु जल संधि टूटने से पाकिस्तान में कल-कल मची है। इसीलिए तो कविवर रहीम ने भी एक दोहे में लिख ही दिया था 'बिन पानी सब सून।' पानी की इतनी महत्ता जानते हुए ही पेट्रोल पंप वालों ने काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल भर दिया होगा। जबकि, रहवासी क्षेत्रों के नलों से तीन-चार दिन में एक बार पानी मिलता है।

इस मान से सम्बंधित पेट्रोल पंप के संचालक ने समझदारी दिखाते हुए डीजल के साथ पानी भी भर दिया। सोचो जरा, पेट्रोल पंप पर काफिले की गाड़ियों में केवल डीजल भर दिया जाता, तो यही सुनने को मिलता कि रतलाम अब पहले जैसा पानीदार नहीं रहा। ऐसी बात नहीं है। रतलाम ने पानी मिला डीजल भरकर बता दिया कि रतलाम का पानी अभी मरा नहीं है। वैसे भी रतलाम की सेंव, साड़ी और सोना देशभर में अपना स्वाद एवं चमक-दमक बिखेरे हुए हैं। वैसे भी रतलाम मालवा क्षेत्र का एक अहम हिस्सा है। मालवा की ढेर सारी खूबियों में एक खूबी का बड़े गर्व के साथ बखान होता है। खूबी का बखान यूं कि 'मालव माटी गहन गंभीर, डग-डग रोटी, पग-पग नीर।' मुख्यमंत्री का काफिला रतलाम आए और अतिथि देवो भव की परम्परा का निर्वहन न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता है। बस इसी भाव के साथ पग-पग नीर होने से पानी मिला डीजल भर दिया।

थोड़ी दूर जाकर बीच सड़क पर 19 गाड़ियां रुक गई। इस पर अधिकारी तो अधिकारी ठहरे, उन्होंने तुरत-फुरत पेट्रोल पंप सील कर दिया। यह जानते हुए कि जिंदगी की गाड़ी कभी भी, कहीं पर भी रूक सकती है, तो फिर इन गाड़ियों की क्या औकात! इसके अलावा देशभर में हर रोज दूध-घी, दवा-दारू तथा अन्य खाद्य पदार्थों में पता नहीं कितना अमानक जानलेवा धीमा जहर मिलाया जा रहा है, थोड़ी बहुत जांच पड़ताल के बाद सभी की दुकानें चल रही है। पेट्रोल पंप को भी सील करने से पहले जांच का एक मौका मिलना चाहिए था।

हो सकता है जांच पूरी होते-होते अगले चुनाव आ जाते या फिर इसी पंप की नई शाखा का शुभारंभ मुख्यमंत्री के हाथों हो जाता। फिर जांच भी आई-गई हो जाएगी। फिर से सम्बंधित पेट्रोल पंप को इंतजार रहेगा, मुख्यमंत्री के काफिले की गाड़ियों का और फिर वही पानी मिला डीजल। है न पेट्रोल पंप का मजेदार विश्लेषण।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

गुरु पूर्णिमा

श्वेता गोयल
लेखक शिक्षक हैं।

व्यास परंपरा का अमृत पर्व

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में गुरु को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह परंपरा केवल किसी विशेष धर्म या पंथ तक सीमित नहीं है बल्कि गुरु की अवधारणा भारतीय जीवन दर्शन का केंद्र रही है। गुरु का अर्थ मात्र शिक्षक नहीं बल्कि वह प्रबुद्ध आत्मा है, जो जीवन के हर अंधकार को मिटाकर आत्मा को उसके सत्य स्वरूप से परिचित कराती है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है, जो इस वर्ष 10 जुलाई को मनाई जा रही है। यह दिन गुरु की महत्ता और ज्ञान की शक्ति को समर्पित है। भारत में यह पर्व प्राचीन काल से ही श्रद्धा, कृतज्ञता और समर्पण का प्रतीक रहा है। संस्कृत भाषा में 'गु' का अर्थ अंधकार और 'रु' का अर्थ है उसका नाश करने वाला। इस आधार पर गुरु वह होता है, जो अज्ञानरूपी अंधकार का नाश कर ज्ञानरूपी प्रकाश प्रदान करता है। इसीलिए कहा गया है 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः, गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।' इस मंत्र के माध्यम से गुरु को त्रिदेवों के समकक्ष माना गया है। वे सृजनकर्ता ब्रह्मा के समान हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं, विष्णु की तरह हमारी जीवन यात्रा का पालन करते हैं और शिव की भांति हमारे भीतर के दोषों का संहार कर आत्मा को शुद्ध करते हैं। गुरु न केवल जीवन में दिशा देते हैं बल्कि ईश्वर की अनुभूति के लिए हमारे अंदर पात्रता भी उत्पन्न करते हैं।गुरु पूर्णिमा का पर्व महर्षि वेदव्यास की स्मृति में भी मनाया जाता है। वेदव्यास न केवल महाभारत के रचयिता थे बल्कि उन्होंने वेदों का संहिताकरण कर उन्हें चार भागों (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद) में विभाजित किया। इसके साथ ही उन्होंने 18 पुराण, ब्रह्मसूत्र, मीमांसा तथा श्रीमद्भागवत जैसे ग्रंथों की रचना भी की। शास्त्रों के अनुसार वेदव्यास का जन्म द्वापर युग के अंत में आषाढ़ पूर्णिमा के दिन हुआ था, इसीलिए इस दिन को 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। वेदव्यास को आदि गुरु माना गया है, जिन्होंने सम्पूर्ण संसार को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया।

प्राचीन भारत की शिक्षा प्रणाली गुरुकुल पर आधारित थी, जहां शिष्य गुरु के सान्निध्य में रहकर न केवल शास्त्रों का अध्ययन करते थे बल्कि जीवन के संस्कार, अनुशासन, संयम, सेवा और तपस्या का अभ्यास भी करते थे। उस समय शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं बल्कि आचार और विचार का समन्वय थी। गुरु की आज्ञा ही सर्वोपरि मानी जाती थी और शिष्य गुरु की सेवा को अपना परम धर्म समझते थे। आज भी कई स्थानों पर यह परंपरा जीवित है, जहां शिष्य गुरु पूर्णिमा के दिन अपने गुरु को आदर, भक्ति और समर्पण अर्पित करते हैं। गुरु पूर्णिमा केवल हिन्दू धर्म का पर्व नहीं है, यह बौद्ध, जैन और सिख परंपराओं में भी विशेष महत्व रखता है। बौद्ध धर्म में यह दिन अत्यंत पवित्र माना जाता है क्योंकि इसी दिन भगवान गौतम बुद्ध ने बोधगया में ज्ञान प्राप्त करने के बाद सारनाथ में अपने पांच शिष्यों को पहला उपदेश दिया था। यह उपदेश 'धर्मचक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना गया और इसी के साथ बौद्ध संघ की स्थापना हुई। जैन धर्म में भी इस दिन को विशेष महत्व प्राप्त है। इसे चातुर्मास की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है, जब साधु-संत वर्षा ऋतु में एक ही स्थान पर ठहरकर शास्त्रों के अध्ययन, प्रवचन और ध्यान में लीन रहते हैं। सिख धर्म में गुरु को जीवन का सर्वोच्च मार्गदर्शक माना गया है। दस गुरुओं की परंपरा और अंतिम गुरु के रूप में गुरु ग्रंथ साहिब को स्वीकार करते हुए सिख धर्म गुरु की कृपा को जीवन का मूल स्तंभ मानता है।गुरु का महत्व केवल धर्म तक सीमित नहीं है। जीवन में हर व्यक्ति को मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है और जब यह मार्गदर्शन किसी अनुभवी, ज्ञानी, करुणामय और निष्कलंक व्यक्ति से मिले तो जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन होते हैं। एक सच्चा गुरु जीवन के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराता है, वह न केवल बाह्य संसार की समझ प्रदान करता है बल्कि आंतरिक यात्रा का द्वार भी खोलता है। गुरु के बिना आत्मज्ञान संभव नहीं और आत्मज्ञान के बिना जीवन अधूरा है। कबीरदास जी ने कहा है, 'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।' इस दोहे में कबीर यह स्पष्ट करते हैं कि यदि ईश्वर और गुरु दोनों सामने हों तो पहले गुरु को प्रणाम करना चाहिए क्योंकि गुरु ही वह सेतु हैं, जिन्होंने ईश्वर से हमारा परिचय कराया। इसी भाव को अन्य संत कवियों ने भी दोहराया। तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, रविदास और अनेक संतों की साधना में गुरु ही केंद्र में रहे हैं।

गुरु जीवन को दिशा देते हैं, रूप देते हैं और अंत में वह दृष्टि भी प्रदान करते हैं, जिससे आत्मा को अपनी वास्तविकता का बोध होता है। गुरु का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं है बल्कि शिष्य को उस स्तर तक उठाना है, जहां वह स्वयं ब्रह्म के अनुभव में स्थित हो जाए। इसीलिए कहा गया है 'माटी से मूरत गढ़े, सद्गुरु फूंके प्राण। कर अपूर्ण को पूर्ण गुरु, भव से देता त्राण।' गुरु उस कुम्हार की तरह है, जो गीली मिट्टी को धीरे-धीरे आकार देता है, उसके दोषों को हटाता है और अंत में उसमें जीवन का प्राण फूंकता है। गुरु की कृपा प्राप्त हो जाए तो जीवन की दिशा ही बदल जाती है। यह कृपा केवल बाह्य आचरण से नहीं बल्कि संपूर्ण समर्पण और श्रद्धा से प्राप्त होती है। मनुस्मृति में कहा गया है कि ऐसे व्यक्ति को ही गुरु बनाना चाहिए, जो क्षमा, दया, तपस्या, पवित्रता, यम, नियम, दान, सत्य, विद्या, संतोष आदि दस गुणों से युक्त हो। जो गुरु इन गुणों से परिपूर्ण होता है, वह न केवल हमें भौतिक जीवन में सफलता दिलाता है बल्कि मोक्ष तक भी ले जा सकता है।

आज के युग में जब जीवन तेज गति से आगे बढ़ रहा है, लोग भौतिक उपलब्धियों को ही सफलता मानने लगे हैं, ऐसे समय में गुरु की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। एक सच्चा गुरु ही हमें यह याद दिलाता है कि जीवन केवल कमाने, खाने और भोगने के लिए नहीं है बल्कि आत्मा के विकास के लिए भी है। आज जब समाज में दिशाहीनता, तनाव, मूल्यहीनता और आत्मविस्मृति बढ़ रही है, तब गुरु ही वह स्तंभ हैं, जो हमें वापस हमारे मूल की ओर ले जाते हैं। गुरु चाहे सनातन परंपरा के वेदव्यास हों, बौद्धों के लिए बुद्ध हों, जैनों के लिए महावीर स्वामी के अनुयायी, सिखों के लिए गुरु नानक और अन्य गुरु हों या आधुनिक युग के विवेकानंद, रमण महर्षि, रवींद्रनाथ टैगोर, अरविंद घोष, ध्यान देने वाली बात यह है कि हर युग में गुरु की आवश्यकता बनी रहती है। वह केवल हमें शिक्षा नहीं देते, वे हमें जीवन की नई दृष्टि प्रदान करते हैं। गुरु ही वह आकाशदीप हैं, जो जीवन के समुद्र में हमें दिशा दिखाते हैं। वे न हों तो यह जीवन केवल भटकावों का सिलसिला बनकर रह जाता है। जीवन में चाहे कितनी भी भौतिक उपलब्धियां क्यों न हों, यदि गुरु का मार्गदर्शन नहीं मिला तो वह उपलब्धियां अंततः शून्यता में विलीन हो जाती हैं। इसीलिए कहा गया है 'गुरु बिना गति नहीं, गति होए तो होए गुरु के चरणन की धूल से।' गुरु ही जीवन का वास्तविक प्रकाश हैं, उनके बिना जीवन अंधकारमय है।

उज्जयिनी की गुरु परंपरा

गुरु पूर्णिमा विशेष

राजशेखर व्यास

लेखक चिंतक, विचारक और पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक दूरदर्शन और आल इंडिया रेडियो हैं!

उज्जयिनी की गुरु परम्परा और गुरु पूजन परम्परा विश्व विख्यात हैं। संसार की प्राचीन नगरी उज्जयिनी का वैभव सारे प्राचीन ग्रंथ में बिखरा पढ़ा है स्वयं भगवान कृष्ण अपने बड़े भाई बलराम दाऊ के साथ काशी और प्रयाग न जा कर महर्षि सान्दीपनि के उज्जयिनी स्थित आश्रम में आये, जहाँ बगैर किसी राज्याश्रय के सुदामा जैसे गरीब ब्राह्मण भी पढ़ सकते थे !

गुरु परम्परा को देखें तो यह बात बेहद महत्वपूर्ण है कि द्रोणा चार्य, कृपाचार्य, विश्वामित्र या वशिष्ठ भी किसी न किसी राज दरबार से जुड़े थे और कुछ राज्याश्रय से आश्रम चला रहे थे। प्राचीन काल में केवल महर्षि सांदीपनि ही थे जो किसी राजा से कोई अनुदान लिये हों, इसका कहीं उल्लेख नहीं मिलता । इसीलिए उनके शिष्य भी सत्ता दिलवाते हैं सत्ता के भूखे नहीं रहे। आप सारे महाभारत में कृष्ण और बलराम की भूमिका देख लीजिए और तो और सुदामा के गांव से ही गांधी निकले, जो जवाहर को सत्ता में बैठाने दांडी यात्रा कर बैठे !

यह प्रसंग उज्जयिनी की इस महान परम्परा का गौरव गान है, जहाँ गुरु अपने घर से अन्न वस्त्र दे कर शिष्य को पढ़ाते थे , यहाँ रह कर कृष्ण बलराम सुदामा गुरु के साथ नियमित महाकाल भी जाते थे और प्रतिदिन महाकाल को बिल्व पत्र पर एक नये नाम से अर्चना करते थे। वह महाकाल सहस्त्र नाम और महाकाल कवच आज भी मेरी पुस्तक जयती जय उज्जयिनी में उपलब्ध है।

अल्प काल में यहाँ गुरु घर में गीता का ज्ञान ही नहीं, चौसठ कला अष्ट सिद्धि और नव निधि प्राप्त कर कृष्ण पूर्णावतार बने मगर बहुत कम लोग जानते हैं कि उज्जयिनी की यह महान गुरु परंपरा हर युग और हर काल में कायम रही, चाहे वह मुगल काल ही क्यों न हो ?

मुगल काल में उज्जयिनी में एक तपस्वी 'जदरूप' हुए जिनसे मिलने सम्राट अकबर से ले कर जहांगीर तक आए उक्त घटना का विशद वर्णन इतिहासकार अबुल फजल ने आईने अकबरी में किया है और अकबरनामा भी इस महान विद्वान का जिक्र करता है।

उज्जयिनी के कालियादेह महल में बादशाह जहांगीर खूब आये। अपने खुद के लिखे ग्रंथ 'तुजुक ए जहांगीर' में उन्होने लिखा है कि वह नाव में बैठ कर उज्जयिनी के जंगलों में रहने वाले महान तपस्वी गुरु संत जदरूप से मिलने आया करता थे और अपनी ज्ञान पिपासा को शांति पूर्ण चर्चा से शमन करते थे।

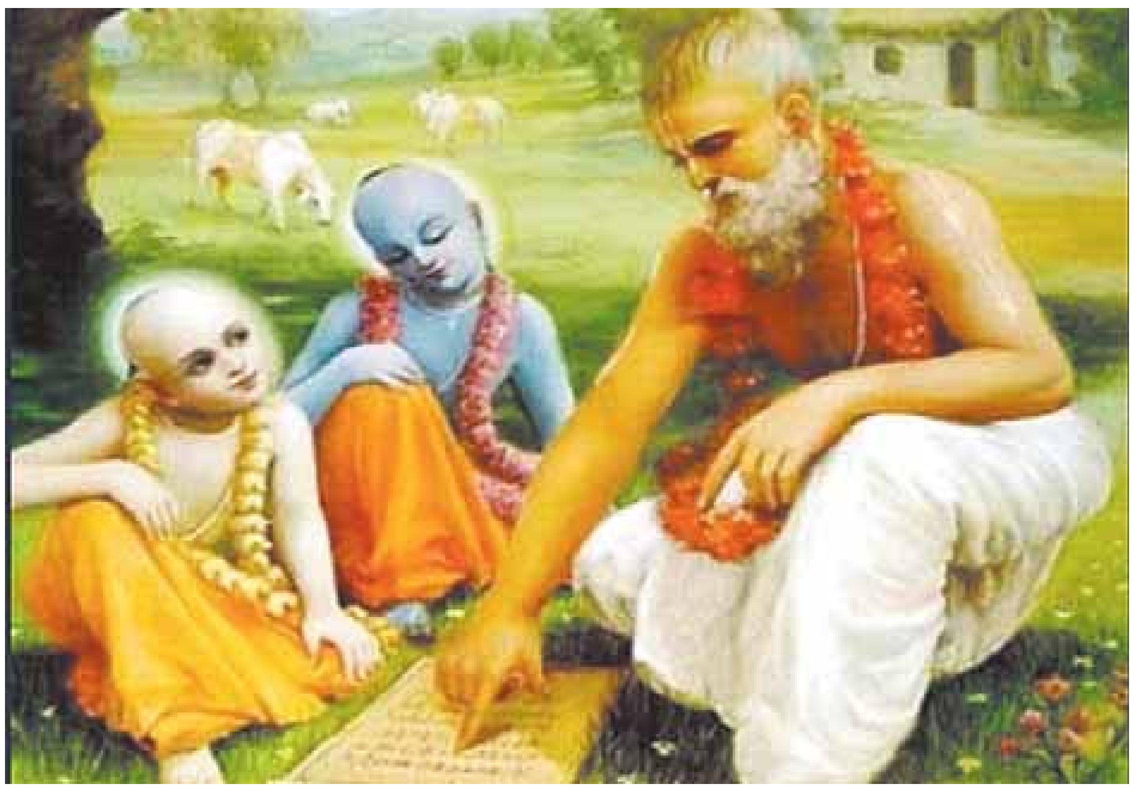

एक जगह यहाँ तक लिखा है- मैं चाहता तो इस योगी तपस्वी को आगरा बुला कर भी चर्चा कर सकता था, पर इस महान हिंदू धर्म के इस योगी तपस्वी गुरु को कष्ट नहीं देना चाहता था। इसलिए खुद ही जा कर मिलता था।

मुगल काल से अंग्रेज़ शासन तक उज्जयिनी की गुरु और गुरुकुल परंपरा क़ायम रहीं अट्ठारह सौ से उन्नीस सौ तक सात हज़ार विद्यार्थी को अपने आवास और आश्रम में रख कर पंचाग निर्माण ज्योतिष व्याकरण पढ़ाने वाले महामहोपाध्याय सिद्धांत वागीश पंडित नारायण जी व्यास का नाम कौन नहीं जानता ? उनके शिष्यों में देश विदेश के असंख्य नाम हैं। लोकमान्य तिलक और मदन मोहन मालवीय तक उनके अनन्य प्रशंसक रहे ! उनके पुत्र पद्म भूषण पंडित सूर्यनारायण व्यास के पूज्य पिता थे । इस रूप में भी दुनिया उन्हें जानती है और पुत्र से परास्त होने की गुरु इच्छा पंडित सूर्यनारायण व्यास ने सिद्ध कर दी।

उज्जयिनी की गुरु परम्परा को क़ायम रखते हुए पद्मभूषण पंडित सूर्यनारायण व्यास ने नगर को विक्रम विश्वविद्यालय कालिदास समारोह कालिदास अकादमी सिंधिया शोध प्रतिष्ठान विक्रम कीर्ति मंदिर भेंट कर यह गुरु परम्परा क़ायम रखी! आज पंडित व्यास के पुत्र राजशेखर व्यास जो स्वयं सत्तर से अधिक ग्रंथों के लेखक हैं, दो हज़ार से अधिक वृत्तचित्र और फ़िल्म के निर्माता निर्देशक हैं दूरदर्शन और आल इंडिया रेडियो के अतिरिक्त महानिदेशक पद से मुक्त हो कर नयी पीढ़ी को नि:शुल्क भोजन आवास दे कर ज्योतिष पढ़ा रहे हैं। उज्जयिनी की यह महान परम्परा द्वापर युग से अब तक जीवित हैं । यह और बात हैं की इस महान गुरु परम्परा की नगरी में अब शिष्य कम और चारों और गुरु ही गुरु अधिक दिखाई देते हैं

सीस दिये यदि गुरु मिले, तो भी सस्ता जान

गुरूपूर्णिमा

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

'यह तन विष की वेलरी, गुरु अमृत की खान। सीस दिये यदि गुरु मिले तो भी सस्ता जान।।' कितनी गहरी बात कह गये कबीर। यह बात वही कह सकता है, जिसने सद्गुरु की सच्ची महिमा को जान लिया हो। गुरु यदि शिष्य से उसका शीष मांग रहे हैं,तो लाभ शिष्य का ही होने वाला है,वरना उस शीष का गुरु करेंगे क्या? गुरु द्रोणाचार्य ने तो एकलव्य का अंगूठा मांगा था। अंगूठा दे दिया,तो एकलव्य इतिहास में अमर हो गया गुरुभक्ति के लिये। वरना कौन पूछता एकलव्य को? वह सच्चा शिष्य था। द्रोणाचार्य का गुरुत्व कम नहीं हुआ दक्षिणा में अंगूठा मांग लेने से। वे एकलव्य का मन जानते थे। उन्हें भरोसा था कि मांगने पर एकलव्य अपना शीष भी दे देगा। ऐसा भरोसा उन्हें तब अर्जुन के लिये नहीं था। अर्जुन ने द्रोणाचार्य से धनुर्विद्या तो सीखी, किन्तु वह आत्मविद्या नहीं सीखी, जो एकलव्य ने गुरु की प्रतिमा के सामने शस्त्रसंधान करते हुए सीख ली। अर्जुन बहुत अच्छा विद्यार्थी सिद्ध हुआ, किन्तु गुरु द्रोणाचार्य का नहीं, भगवान् कृष्ण का, जहाँ गीता में उसे आत्मज्ञान मिला,और जीवन के सत्य से सामना भी हुआ। श्रीमद्भगवद्गीता गुरु और शिष्य के बीच संवाद ही तो है।एक तरफ प्रणिपात है, परिप्रश्न है, सेवा है। दूसरी तरफ अनुग्रह है, अनुकम्पा है, कृपा है।

गुरु एक सर्वोच्च सत्ता है। इससे ऊपर कुछ भी नहीं। सब देवता इस सत्ता से बहुत नीचे है। वेदों में जो ब्रह्मणस्पति या बृहस्पति है, वही बाद में ब्रह्म है,और वही कालान्तर में सद्गुरु है। हमारे सब धार्मिक विश्वास अंततः गुरुतत्व में ही जा मिलते है, इसीलिये 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वर' के स्वरूप में हमें गुरु साक्षात् परब्रह्म की तरह लगने लगते हैं। तुलसीदास जी को स्मरण कीजिए -

'श्रीगुरुचरणसरोज रज निज मन मुकुर सुधारि।' गुरु के चरणकमलों की रज से मन रूपी दर्पण स्वच्छ होता हो, तो कहीं और क्यों जाया जाए। यह अनुभव की चीज है, यह अपने आप पर विश्वास करने की चीज है। इस तत्व पर हमारे यहाँ कभी बहस नहीं हुई, शास्त्रार्थ नहीं हुए। चाहे कोई सी भी कौम हो, किसी ने भी गुरु की महिमा से छेड़-छाड़ नहीं की और न ही तर्क-वितर्क किये।

वह अभागा है, जिसका अपने जीवन में कोई गुरु नहीं। वह और भी बड़ा अभागा है, जिसने अंधे गुरु को पकड़ लिया और दोनों गड्ढे में जा गिरे। गुरु कहलाने वालों की भीड़ में सच्चे गुरु की पहचान के लिये भी हमें योग्य गुरु की तलाश है। गुरु होने के लिये यह जरूरी नहीं, कि वह स्कूल-कॉलेज में पढ़ाता हो, किसी मठ या आश्रम की। गादी सम्हालता हो, या बड़ा भारी कोचिंग सेंटर चलाता हो। वह तो सामान्य पढ़ा-लिखा या बिल्कुल न पढ़ा हुआ भी हो सकता है। रामकृष्ण परमहंस पढ़े-लिखे नहीं थे, किन्तु उनके आभामंडल में सद्गुरु का उच्चतम प्रकाश था। हमारा प्राचीन इतिहास ऐसे सद्गुरुओं का ही इतिहास है, जो जंगल से बाहर नहीं गये, किन्तु उन्होंने राजाओं के गुण-धर्म बदले, धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष के जीवन-स्तम्भ रचे,और समाज की मूलभूत व्यवस्थाओं का ऐसा ढाँचा बना कर दिया, जिसकी आत्मा में सत्य की सुगंध है और वह पवित्रता है जो मानव -जीवन को शुद्ध आचरण में ढालती है।

सच्चा गुरु हमेशा ही सच्चे शिष्य की तलाश में रहता है। सच्चे गुरु की जायदाद असीमित होती है, वह भौतिक सम्पदाओं के साथ तौली नहीं जा सकती। वह कभी भी संग्रह में रुचि नहीं रखता। अपना सब कुछ ही दे डालना चाहता है। किन्तु सच्चा शिष्य न मिले, तो उसकी पोटली बंद पड़ी रह जाती है। फिर उसे खोलने वाला कोई नहीं मिलता। इसलिये जरूरी है कि हम सुयोग्य शिष्य होने के लिये निरन्तर प्रयत्नशील रहें। अच्छा शिष्य होना बहुत आसान तो नहीं, किन्तु बहुत कठिन भी नहीं। थोड़ी सी विनयशीलता, थोड़ी जिज्ञासा वृत्ति, थोड़ा सदाचार और थोड़ी समर्पण बुद्धि के साथ अनुशासन में रहने का स्वभाव आपके भीतर है, तो गुरु आपके बहुत पास तक स्वयं ही दौड़े चले आयेंगे। फिर आपको कुछ नहीं करना है। सब काम गुरु के स्पर्श मात्र से होगा। गुरु किताब खोल कर नहीं पढ़ायेंगे, न परीक्षा की झंझट में डालेंगे। वह एक ही काम करेंगे, आपके अहंकार को चूर-चूर कर डालेंगे, कर्म में झोंक देंगे, दिखा देंगे कि भगवान् कैसा है, और फिर चौबीसों घंटे पल-पल आपके चित्त की पहरेदारी करेंगे।

'श्रीगुरुचरणसरोज रज निज मन मुकुर सुधारि।' गुरु के चरणकमलों की रज से मन रूपी दर्पण स्वच्छ होता हो, तो कहीं और क्यों जाया जाए। यह अनुभव की चीज है, यह अपने आप पर विश्वास करने की चीज है। इस तत्व पर हमारे यहाँ कभी बहस नहीं हुई, शास्त्रार्थ नहीं हुए। चाहे कोई सी भी कौम हो, किसी ने भी गुरु की महिमा से छेड़-छाड़ नहीं की और न ही तर्क-वितर्क किये।

सबसे पहले हमें सच्चे गुरु की पहचान होनी चाहिए। विधि ने इसके लिये हमारा रास्ता कितना सरल बना दिया। जन्म लेते ही हमारा सामना प्रथम गुरु से होता है, और वह है -'माँ'। माँ को जानने के लिये यत्न नहीं करना पड़ता। वह हमारे अन्नमय, प्राणमय, मनोमय कोशों को रचती है , इन्हें अपनी ममता से सींचती है, और हममें एकाकार हो जाती है। माँ ही अपने गर्भ में से बाहर ला कर हमें यह सलौना संसार दिखाती है, इस संसार के दुःख और सुख, उतार-चढ़ाव से परिचित करवाती है। शैशव का यह विद्याभ्यास अंतिम साँस तक काम आता है। सच्चा गुरु 'माँ' की तरह ही होता है । हम उसी की आँखों से संसार को देखने लगते हैं, वह हममें एकाकार हो जाता है।वह शरीर में न हो, तब भी शिष्य में उसकी सम्पूर्ण उपस्थिति होती है। शिष्य का उठना-बैठना, सोचना-समझना सब गुरु का होता है। तब अनिष्ट की सम्भावना नहीं होती, अनृत को मुँह मारने का अवसर नहीं मिलता। प्रेम के एक ही झूले में गुरु-शिष्य झूल रहे होते हैं।

हमारे चारों तरफ अज्ञान का अंधेरा फैला हुआ है, और हम अपने ज्ञानवान होने की घोषणा कर रहे हैं। हम जड़ता के शिकार हैं, और स्वयं को चैतन्य मान रहे हैं। अंधे अंधों को ठेल रहे हैं, और फूले नहीं समा रहे हैं। सुख-सुविधा में रमे हुए लोगों को यह शंका भी नहीं कि आपदा माथे पर है, और जल्दी से जल्दी कोई जतन करना होगा। हरेक को रास्ता बताने वाला चाहिए, और रास्ता बताने वाले गुरुजनों की सुध लेने को कोई तैयार नहीं। बच्चे सीख रहे हैं एक-दूसरे के कंधे पर पाँव रख कर आगे निकल जाने की कला। धैर्य, शान्ति, साहचर्य, करुणा और प्रेम की शब्दावलियाँ खो चुकी हैं, और हमारे स्कूली बच्चे मूल्यहीन प्रगति के बनाये हुए चक्के पर बैठा कर वहाँ पहुँचा दिये जा रहे हैं, जहाँ से फिर एक उबाऊ यात्रा शुरू होगी। गुरु के लिये कोई तड़फ नहीं, गुरु के लिये कोई बेचैनी नहीं।

आपका कोई गुरु नहीं, तो आपका जीवन गौरवशाली कैसे हो? आपका कोई गुरु नहीं, तो आप आजीवन अंधेरे में भटकते रहने के लिये अभिशप्त हैं। आपका कोई गुरु नहीं, तो जिस दिन बड़ा भारी संकट आपके घर पर दस्तक देगा, आप अकेले होंगे, निहत्थे होंगे, असहाय होंगे और बिखर जायेंगे। गुरु के अलावा कोई आपकी नाव नहीं खे पायेगा। समर्थ गुरु की उंगली एक बार थाम लीजिए, फिर न छोड़िए। वह गुरुग्रंथ, गीता, कुरान और बाइबिल के रूप में भी मिल सकता है। वह शंकराचार्य, दयानंद, विवेकानंद, या आचार्य श्रीराम शर्मा में भी मिल सकता है। वह आपके माता, पिता, भाई, बहन, सच्चे मित्र सहित टूटे-फूटे ओटले पर बैठे फकीर में भी मिल सकता है,जिसे देख कर आपके मन का मैल धुल जाए, श्रद्धा उत्पन्न हो, मन में संतोष और प्रेम का बीज अंकुरित हो, जिसके अनुशासन में रहने का संकल्प जाग उठता हो और आपको जिसके पीछे चलते हुए अपना पथ प्रशस्त दिखाई देता हो।

श्री अरविन्द कहते हैं - 'केवल दो ही शक्तियाँ हैं जो मिल कर उस महान कार्य को पूरा कर सकती हैं जो हमारे प्रयास का उद्देश्य है - एक तो है अचल अभीप्सा जो नीचे से पुकारती है और दूसरी है वह भागवत अनुकम्पा जो ऊपर से उत्तर देती है।' ये दो शक्तियाँ ही गुरु और शिष्य हैं । ये दोनों सचमुच मिल जाएँ, तो समाज के उचित रूपान्तर को कोई नहीं रोक सकता।

आत्म-ज्योति पर पड़े पर्दे को हटा देते हैं गुरु

गुरु महिमा

प्रो. डॉ. वन्दना

लेखक हिंदी की प्राध्यापक हैं।

श्री गुरु चरण सरोज रज, निज मन मुकुरु सुधारि।
बरनऊं रघुवर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि।।

किसी भी मनुष्य को सच्ची शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनेक साधनों की आवश्यकता होती है। ज्ञान को प्राप्त कर लेने मात्र से वह मन की गहरी भूमिका में उतरकर संस्कारों का रूप नहीं ले सकता। जाने कितनी पुस्तकों में धर्म-कर्म के सिद्धान्तों के बारे में लिखा होता है, पर उसे कितने लोग ग्रहण करते है? इसीलिए कहते हैं कि गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता है पर प्रश्न यह है कि गुरु किसे बनाया जाये। हर व्यक्ति चाहता है कि उसे श्रेष्ठ गुरू मिले। सर्वगुणसंपन्न गुरु मिले। परन्तु पूर्णतः निर्दोष गुरु मिलना मुश्किल होता है। मनुष्य में तो दोष मिलेंगे ही, पूर्णतः निर्दोष तो परमात्मा ही है। अतः स्वयं में सच्चे शिष्य के गुण पैदा किये जाने चाहिए। सच्ची श्रद्धा, विश्वास और जिज्ञासा के साथ ही ज्ञान की प्राप्ति की जा सकती है जैसे दत्तात्रय स्वामी ने ने अपने जीवन में 24 गुरु बनाए थे। जो है-पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश, सूर्य, चन्द्रमा, समुद्र, अजगर, कपोत, पतंगा, मछली, हिरण, हाथी, मधुमक्खी, शहद निकालने वाला, कुरर पक्षी, कुमारी कन्या, सर्प, बालक, पिंगला, वैश्या, बाण बनाने वाला, मकड़ी, और भृंगी कीट।

गुरु शब्द दो अक्षर से मिलकर बना है-पहला अक्षर 'गु' का अर्थ है अज्ञान और दूसरे अक्षर 'रु' का अर्थ है उसका निरोधक । गुरु अपने ज्ञान से शिष्य के अज्ञान के अंधकार को मिटा देता है जिसके लिए यह श्लोक प्रसिद्ध है-

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः॥

कहने का मतलब गुरु वह है जो शिष्य के हृदय से अज्ञान रूपी अंधकार को समाप्त कर उसे ईश्वरीय प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु वह है जो श्रेष्ठ कर्मों के माध्यम से धर्म की शिक्षा देता है, श्री सद्गुरु आत्म-ज्योति पर पड़े हुए पर्दे को हटा देता है।

भारत में प्राचीनकाल से ही गुरुकुल परम्परा रही है। हर युग में गुरुकुल रहे है। उस समय गुरुकुल में गुरु द्वारा शिष्यों को सभी प्रकार की शिक्षा दी जाती थी। शास्त्रों का ज्ञान, शस्त्रों का ज्ञान, राजनीति, अर्थशास्त्र (आर्थिक नीति) शारीरिक सौष्ठव और सारे संस्कार भी। उनकी दिनचर्या निर्धारित होती थी। समस्त कार्य गुरु के मार्गदर्शन से किए जाते थे।

हिन्दी साहित्य में कबीरदास ने गुरु की महिमा का वर्णन किया है

सतगुर की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावण हार

जायसी ने गुरु का महत्व बताया है। गुरु ईश्वर से मिलाने की राह दिखाने वाले है।

गुरु सुआ जेहि पंथ देखावा,
बिनु गुरु जगत को निरगुन पावा।।

महाकाव्य के प्रारंभ में अधिकांश कवियों ने ईश वंदना के साथ ही गुरु वंदना कर उनकी महिमा का वर्णन किया है। रामाश्रयी शाखा के प्रतिनिधि कवि तुलसीदास वाल्मीकि से राम को कहलवाते है

तुम्ह तें अधिक गुरहि जियँ जानी।
सकल भायँ सेवहिं सनमानी ॥

लीलारस के रसिक भी मानते है कि उनका दाता तो सद्गुरु ही है। सद्गुरु लोककल्याण के लिए पृथ्वी पर नित्यावतार है। अन्य अवतार नैमित्तिक है।

राम कृष्ण से को बड़ा, तिन्हूं भी गुरु कीन्ह।
तीन लोक के वे धनी, गुरु आगै आधीन।।

जब ईश्वर ने भी गुरु बनाकर उनसे शिक्षा प्राप्त की,

मार्गदर्शन लिया तो गुरु उनसे भी बड़े हुए न। सभी शास्त्रों में गुरु की प्रशंसा की गई है। ईश्वर के आस्तित्व में मतभेद हो सकता है किन्तु गुरु के लिए कोई मतभेद नहीं हुआ है। गुरु को सभी ने माना। प्रत्येक गुरु ने अन्य गुरुओं को आदर, प्रशंसा एवं पूजा सहित पूर्ण सम्मान दिया है। भारत के बहुत से सम्प्रदाय तो गुरुवाणी के आधार पर ही कायम है। गुरु ने जो नियम बनाए उन पर श्रद्धा से चलना शिष्यों का परम कर्तव्य है। गुरु का महत्व केवल आध्यात्म या धार्मिकता के लिए ही नहीं बल्कि विपत्ति आने पर गुरु अपने शिष्यों को संकट से उबारते भी है।

यस्य देवे पराभक्तिः यथा देवे तथा गुरौ। गुरु और देवता की समानता वाले इस श्लोक में कहा है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसे ही गुरु के लिए भी। गुरु ईश्वर से मिला सकते है, किन्तु गुरु की कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है।

भारतीय संस्कृति में यह माना गया है कि
गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा
गुरु साक्षात् परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः

गुरु को ब्रह्मा विष्णु और महेश तीनों रूपों में स्वीकारा गया है। गुरु ब्रह्मा है क्योंकि वह शिष्य को बनाकर उसे नवजीवन देता है। गुरू विष्णु है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है और गुरु महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है।

कबीर ने भी कहा है कि हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहीं ठौर।भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण मिल सकती है किन्तु गुरु के रूठने पर कहीं ठिकाना नहीं मिलता। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों में तीर्थंकर, मुनि, नाथों तथा वैष्णव सन्तों में और बौद्ध भिक्षुओं ने उपास्य सद्गुरू कहा है। उस श्री गुरु से उपनिषद् की तीनों अग्नियाँ भी थरथर काँपती है। त्रैलोकपति भी गुरु का गुणगान करते है तो सामान्य जन की क्या बिसात है उसके लिए तो गुरू का ज्ञान और मार्गदर्शन आवश्यक है।

नहीं सीखा है मैने किताबों से
ना जमाने से न अपनो से सीखा है
ज़िंदगी जीने का सलीका, गुरुजी आपसे सीखा है।
आप मेरे वजूद का वो हिस्सा हो
अब जिसके आगे हर किस्सा फीका है
खुशकिस्मत है आज वो हर शख्स
जिसको भी आपने अपने ज्ञान से नवाजा है।

श्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर धार जिले के प्रत्येक मंडलों में साधु संतों गुरुओं का होगा सम्मान

भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया जाएगा श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव

धार। श्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर धार जिले के प्रत्येक मंडलों में साधु संतों गुरुओं का होगा सम्मान। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार श्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साधु संतों गुरुओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया है । भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर 10 जुलाई गुरुवार को श्री गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से जिले के 18 मंडलों में साधु संतों गुरुओं का सम्मान किया जाएगा साथ ही धार नगर के अवधूत श्री नित्यानंद बापजी आश्रम व सोमनाथ मठ सागौर में साधु संतु गुरुओं का सम्मान कार्यक्रम किया जाएगा साथ ही जिले व नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं योग केंद्र अन्य जगहों में भी विभिन्न क्षेत्रों के गुरुओं का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस वर्ष श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव 10 जुलाई गुरुवार आषाढ़ पूर्णिमा को मनाया जा रहा है । श्री गुरु पूर्णिमा एक ऐसा दिन है जब हमारे देश एवं संस्कृति में सभी क्षेत्र के गुरुओं का सम्मान किया जाता है उन्होंने बताया कि श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए समस्त तैयारियां की जा रही है आयोजन की देखरेख हेतु भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने जिला स्तरीय टोली का गठन करते हुए कार्यक्रम संयोजक के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे एवं सह संयोजक जिला मंत्री दीपक फेमस को गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिले के प्रत्येक मंडल के पांच प्रमुख धार्मिक स्थानों पर कार्यक्रम होगा जिसमें भाजपा नेता और जिला पदाधिकारी जनप्रतिनिधि पहुंचेंगे।

ज्ञानेंद्र त्रिपाठी धार जिला रोगी कल्याण समिति सदस्य नियुक्त

जिला भाजपा कार्यालय में हुआ स्वागत, शुभचिंतकों ने दी बधाई

धार। जिला रोगी कल्याण समिति धार की साधारण सभा के लिए जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पत्रकार ज्ञानेंद्र त्रिपाठी को धार जिला रोगी कल्याण समिति का सदस्य नियुक्त किया गया । राज्य शासन द्वारा जिला अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त एवं निरंतर सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से लिए गए इस महत्वपूर्ण निर्णय का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया है। श्री त्रिपाठी सन 1980 से राजनीति में सक्रिय रहकर सामाजिक, धार्मिक गतिविधियों में कई दायित्वों के साथ सदैव सक्रिय रहे हैं। यह दायित्व न केवल श्री त्रिपाठी जी की वर्षों की जनसेवा, पत्रकारिता और संगठनात्मक योगदान का सम्मान है, बल्कि जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम भी है। आपकी पत्रकारिता अनुभव, प्रशासनिक समझ और संवेदनशील सोच से रोगियों के हित, स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और जनकल्याण को बल मिलेगा। श्री त्रिपाठी की नियुक्ति पर जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती व धार विधायक निवास पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा एवं विधायक नीना वर्मा ने पुष्प माला, भाजपा दुपट्टा पहन कर मिठाई खिलाते हुए श्री त्रिपाठी का आत्मीय स्वागत किया ।

इस अवसर पर डॉ. शरद विजयवर्गीय, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम और जयराज देवड़ा, जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी, दीपक शर्मा, अमित पाटीदार, जितेंद्र जाट, रतन पवार, नजमू बोहरा, नारायण चौधरी, राकेश दुर्गेश्वर, अमित शर्मा, देवेंद्र रावल अनिल यादव, प्रशांत रावल, सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। श्री त्रिपाठी के जिला रोगी कल्याण समिति के सदस्य मनोनीत होने पर इष्ट मित्रो ने बधाई और शुभकामनाएं दी। जिले भर के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह एवं हर्ष रहा । जानकारी दीपक सिंह रघुवंशी ने दी ।

धार गायत्री शक्तिपीठ पर हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा का पर्व

धार। गुरु पूर्णिमा का पर्व प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी धार गायत्री शक्तिपीठ पर (महेश नगर किले के पीछे) 10 जुलाई को श्रृद्धा, भक्ति और हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। धार गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि गुरुपूर्णिमा को प्रातः 9 बजे से संस्कार और पंच कुंडी यज्ञ का क्रम प्रारंभ होंगा इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा भी दिलवाई जाएगी। गुरुपूजन और यज्ञ पूर्णाहूति के पश्चात दोपहर 12 बजे से भोजन प्रसादी का आयोजन होगा।

बाढ़ आपदा के लिए नपा में कंट्रोल रूम स्थापित, निगरानी दल गठित

बैतूल। बारिश के मौसम में बाढ़ व अन्य आपदाओं को देखते हुए नगर पालिका में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। साथ ही निगरानी दलों का गठन भी किया गया है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश मटसेनिया ने बताया कि कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी के निर्देशन में बारिश के दिनों में निचली बस्तियों में पानी घुसने, नालों में बाढ़ जैसी अपदाओं को देखते हुए नगर पालिका में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई हैं। प्राकृतिक आपदा के संबंध में किसी भी तरह की परेशानी के संबंध में उक्त नंबरों पर जानकारी दी जा सकती है। इसके अलावा आपदा प्रबंधन के लिए निगरानी दलों का गठन भी किया गया है। नगर पालिका ने जोनवार आपदा प्रबंधन टीमों का गठन किया है। नगर पालिका की टीम के अलावा राजस्व विभाग की ओर से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, नायब तहसीलदार, पुलिस विभाग एवं समस्त शासकीय विभागों की टीमें सतत निगरानी कर रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने समस्त नागरिकों से बारिश के दिनों में नदी, नालों के पानी से दूर रहने की अपील की है। घरों की दीवारों में पानी रिसने से बचाएं, बिजली के खंभों, खुले तारों, गीले स्विच बोर्ड से दूर रहें। बारिश में घरों में जीव-जंतू भीतर आने की संभावना रहती है, इसलिए इसे लेकर पूरी सावधानी बरतें। सर्प, बिच्छू आदि पाए जाने पर आवश्यकता होने पर नगर पालिका के कंट्रोल रूम को सूचना देवें।

गुरुपूर्णिमा पर्व आज, मंदिरों में होंगे धार्मिक आयोजन

दादाजी कुटी में 13 क्विंटल टिक्कड़, 7 किलो चटनी का बंटेगा प्रसाद

बैतूल। गुरुपूर्णिमा पर्व पर आज खंजनपुर में दादाजी धुनीवाले की कुटी में गुरुवंदन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। इस मौके पर कुटी में 25 हजार से अधिक श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे। इसके लिए समिति ने तैयारियां पूर्ण कर ली है। वैसे खंजनपुर स्थित दादाजी कुटी में हर साल की तरह इस बार भी 50 हजार से अधिक भक्तों के आने का अनुमान है। इसके लिए कुटी में 13 क्विंटल टिक्कड़ और 7 किलो चटनी का प्रसाद बांटने की तैयारी की गई है। गुरुपूर्णिमा पर महाआरती के बाद प्रसादी का वितरण भी होगा। समिति सदस्यों ने बताया इस बार 13 क्विंटल की तिक्कड़, 7 किलो चटनी बनाई जा रही है। इसके अलावा 12 क्विंटल की पूड़ी के साथ हलवा भी बनाया जा रहा है। भंडारे को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। गुरुपूर्णिमा के दिन शाम 7 बजे महाआरती के बाद प्रसादी का वितरण किया जाएगा, जो देर रात तक चलेगा। खंजनपुर दादा जी की कुटी को लेकर ऐसी मान्यता है कि 1930 में खंजनपुर की कुटी में खंडवा से नागपुर जाते समय श्री दादाजी बैतूल में भी रुके थे। इसके बाद अंग्रेज कमिश्नर जेसी बरौनी ने गुरुपूर्णिमा के दिन 1932 को यहां कुटी का निर्माण करवाया था। इसके बाद से ही यह दादाजी की कुटी के नाम से प्रसिद्ध है। हर साल गुरुपूर्णिमा पर यहां पर हजारों भक्त आकर दादाजी की जलाई हुई धुनी के दर्शन करते हैं।

निशान चढ़ाने भी पहुंचेगे श्रद्धालु: कुटी में गुरूवार दिनभर निशान चढ़ाने का सिलसिला जारी रहेगा। दादाजी धूनीवाले के भक्त कुटी में दूर-दूर से आते हैं और निशान लेकर कुटी पर पहुचेंगे और निशान चढ़ाएंगे। शहर के बडोरा, गंज, टिकारी, बैतूलबाजार, खंडारा, दनोरा सहित अन्य जगहों से दादाजी भक्त निशान लेकर पहुंचेंगे। भक्तों द्वारा पूजन अर्चन करने के बाद निशान चढ़ाया जाएगा। गुरुपूर्णिमा पर भी कुटी में निशान चढ़ाने के लिए लोग बड़ी संख्या में आएंगे। गुरूपूर्णिमा को शाम को खंडवा के कलाकारों द्वारा दादाजी के भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके लिए कुटी को भी सजाया गया है।

साईं दरबार से निकलेगी पालकी

शहर के कोठीबाजार स्थित साईं बाबा मंदिर से गुरुपूर्णिमा पर बाबा की पालकी यात्रा निकाली जाएगी। गुरुपूर्णिमा पर सुबह साईं बाबा का महा अभिषेक के बाद हवन-पूजन होगा। इसके बाद सुबह 10 बजे साईं बाबा की पालकी निकाली जाएगी। इसके साथ ही निशान मंदिरों में चढ़ाएं जाएंगे। शाम को यहां पर विशाल भंडारा होगा। पालकी यात्रा के दौरान सात मंदिरों में निशान चढ़ाएं जाएंगे। यहां पर भी गुरूपूर्णिमा की तैयारियां हो गई है। इसके अलावा जिले के अन्य मंदिरों में भी गुरूपूर्णिमा पर्व को लेकर तैयारियां की है। जहां सुबह पूजा-अर्चना और प्रसादी वितरण किया जायेगा।

प्रेमगढ़ आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर्व पर होगा गुरु पूजन: प्रेमगढ़ आश्रम कोसमी में गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुरु पूजन होगा। यह आयोजन प्रेम स्वामी महाराज वृंदावन वाले के सानिध्य में होगा। वर्ष में एक बार प्रेम स्वामी महाराज के दर्शन, सेवा दान करने की भावना से शिष्य यहां एकत्र होते हैं। गुरु पूर्णिमा के इस पर्व पर प्रेम स्वामी महाराज गुरु भक्ति का पाठ, प्रेम, धर्म की दीक्षा देंगे। उनके अनुसार यही मार्ग मानव देह के उद्धार का माध्यम है। इस मौके पर बंसीदास महाराज, राधा दास महाराज एवं सखी श्यामा जी ने समस्त श्रद्धालुजनों से अपील की है कि वे इस पुण्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में आकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

गायत्री परिवार मनाएगा गुरु पूर्णिमा पर्व

- आज से प्रारंभ होगा 40 दिवसीय गायत्री अनुष्ठान

बैतूल। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गुरु पूर्णिमा पर्व हर्ष और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक डॉ. कैलाश वर्मा एवं जिला सह-समन्वयक रविशंकर पारखे ने बताया कि आज 10 जुलाई को गायत्री परिवार के सभी प्रज्ञा संस्थानों, नवचेतना केन्द्रों, प्रज्ञा मंडलों, महिला मंडलों व युवा मंडलों में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंत्र जप एवं गायत्री यज्ञों का आयोजन किया जाएगा। आज से ही 40 दिवसीय गायत्री साधना व ब्रह्मास्त्र अनुष्ठान का शुभारंभ होगा। परिजन गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र का जप करेंगे। स्कूलों में विद्यारंभ संस्कार भी कराए जाएंगे। सभी तहसील समन्वयकों से साधकों के नाम जिला समन्वय समिति को भेजने का अनुरोध किया गया है।

विधायक नीना वर्मा ने ग्राम पंचायत देलमी, कलमखेड़ी को पानी का टैंकर प्रदान किया

धार। धार विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक नीना वर्मा ने मंगलवार को ग्राम पंचायत देलमी तथा कलमखेड़ी को पानी के टैंकर प्रदान किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया और कहा कि गाँव में नल-जल योजना से घरेलू जरूरतों के लिए पानी उपलब्ध तो है, लेकिन सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों जैसे विवाह, उत्सव, सामूहिक भोज आदि के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे में टैंकर मिलने से गाँव वासियों की यह बड़ी समस्या दूर हो गई है। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय ज्ञानेंद्र त्रिपाठी भाजपा सेनापति नगर मण्डल अध्यक्ष विशाल निगम और कुशाभाऊ ठाकरे नगर मंडल अध्यक्ष जयराज देवड़ा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी मंडल महामंत्री अमित शर्मा राकी आहूजा मंडल पदाधिकारी विजेंद्र सिंह ठाकुर केशव अग्रवाल समेत स्थानीय कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। गांव के पुरुषो और महिलाओं ने विधायक नीना वर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस पहल से सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाली पानी की समस्या का समाधान हो गया है । जिससे गाँव में खुशी का माहौल है।

25 को लगेगा मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भोपाल के तत्वावधान में भैंसदेही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 25 जुलाई शुक्रवार को मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन 11 बजे से 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के गोपाल साहू, प्रहलाद साहू ने बताया कि इस शिविर में 60 वर्ष से अधिक उम्र के मरीज के आंखों की जांच की जाएगी एवं जिन मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाया जाएगा, उन सभी मरीजों के ऑपरेशन चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भोपाल में किए जाएंगे। सभी मरीजों को आवास, परिवहन, दवाइयां, चश्मा, आई ड्रॉप एवं भोजन व्यवस्था निशुल्क की जाएगी।

सिसल फाइबर उन्नयन कौशल प्रशिक्षण संपन्न

हस्तशिल्प वस्तुओं का दिया प्रशिक्षण

बैतूल। 10 जून से 9 जुलाई तक सिसल फाइबर उन्नयन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ। जिसमें 30 हितग्राहियों को इस सीसल फाइबर रेशे की तरह के हस्तशिल्प वस्तुओं को बनाने का विधिवत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम में हितग्राहियों का उत्साह बढ़ाने स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी समय-समय पर आकर अपनी ओर से प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम का आयोजन मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विज्ञान भवन भोपाल के द्वारा किया गया। जिसका संचालन कॉमन विकास जन सेवा समिति भोपाल द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर विषय विशेषज्ञ अमरनाथ यादव ने बताया कि पौधे से काटे गए ताजे पत्तों से निकाला गया सिसल फाइबर कम लोच वाला, सख्त और मजबूत होता है। यह मैटिंग, खुरदरे हैंडबैग, रस्सियाँ, डोरी, खास तौर पर समुद्री रस्सी जहां समुद्री पानी के लिए अच्छे प्रतिरोध की आवश्यकता होती है और कालीन जैसी वस्तुओं के निर्माण में महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार और सचिव जोगेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सिसल फाइबर प्राकृतिक फाइबर है जिसमें उच्च शक्ति और मापांक, आसान पहुंच, कम कीमत, उच्च स्थायित्व, कम रखरखाव, कम टूट-फूट के साथ पुनर्चक्रण क्षमता होती है।

विधायक के आतिथ्य में एक पौधा माँ के नाम के तहत रोपे पौधे

बैतूल/मूलताई। जल संसाधन विभाग सिंचाई कॉलोनी में विधायक चंद्रशेखर देशमुख के मुख्य अतिथि में एक पौधा मां के नाम योजना अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ भाजपा विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने सिंचाई कॉलोनी में फलदार पौधा रोपण कर किया। विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने पर्यावरण कार्यक्रम अवसर पर कहा कि हमारी आने वाली पीढियां स्वच्छ वातावरण में सांस ले सके इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण सुरक्षा के लिए आगे आय। उन्होंने कहा कि हम पौधारोपण कार्यक्रम में सिर्फ पौधे ही ना लगाय बल्कि पौधों को वृक्ष बनने में सहयोग भी करें । शासन ने इसके लिए एक पौधा मां के नाम प्रोत्साहन योजना प्रारंभ की है ताकि हम भावनात्मक रूप से इन वृक्षों से जुड़ सके। वृक्षारोपण इस अवसर पर सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री सीएल मरकाम ने भी एक पौधा मां के नाम लगाकर पौधों को वृक्ष बनने तक इसकी देखभाल करने की जवाबदारी ली।

सिंचाई विभाग लगाएगा 1021 फलदार पौधे: जल संसाधन विभाग मुलताई के कार्यपालन यंत्री सीएल मरकाम ने बताया कि सिंचाई विभाग एक पौधा मां के नाम अंतर्गत सिर्फ पौधारोपण ही नहीं करेगा बल्कि विभाग के माध्यम से लगाए जा रहे 1021 पौधों की वर्ष भर देख रेख भी करेगा । इसके लिए हमने उद्यान विभाग की नर्सरी से अच्छी किस्म के फलदार पौधे खरीद के लाए हैं जो वर्तमान समय में लगभग 5 फीट के हैं और यह पौधे सिंचाई कॉलोनी विभाग के कर्मचारी अधिकारियों के आवास एवं बांध क्षेत्र में लगाए जाएंगे। हमारा प्रयास होगा कि लगाए जा रहे 1021 पौधों में से 99 प्रतिशत पौधे आगामी समय में वृक्ष बनकर हमें फलों के साथ शुद्ध ऑक्सीजन उपलब्ध कराए। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिकारी कर्मचारी के साथ भाजपा के सिंचाई विभाग प्रतिनिधि सहीत भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विशेष निधि से बाजारों का विकास, होगा शहर का सौंदर्यीकरण

सड़क सुरक्षा निधि से लगेंगे साईन बोर्ड और ट्रैफिक सिग्नल

बैतूल। नगर पालिका परिषद सारनी में बुधवार 9 जुलाई को प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें तय एजेंडे के अनुसार विभिन्न 49 बिंदुओं पर चर्चा की गई। पीआईसी सदस्यों ने सभी प्रस्तावों को मंजूरी दी। नगर पालिका अध्यक्ष कक्ष में दोपहर 1 बजे से प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक का आयोजन किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, पीआईसी सदस्य, दशरथ सिंह जाट, भीम बहादुर थापा, गणेश महस्की, भावना बंडू माकोड़े, रोशनी संदीप झपाटे, बेबी ठाकुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी. के. मेश्राम की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष निधि से नगर पालिका क्षेत्र के बाजारों एवं शहर के विभिन्न स्थलों का सौंदर्याकरण किया जाएगा। सदस्यो ने उक्त प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन के तहत सुलभ शौचालय बनाने, छठ पूजा घाट के जीर्णोद्धार हेतु दरों की स्वीकृति की गई। इसी तरह सडक़ सुरक्षा निधि से सडक़ सुरक्षा हेतु साईन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, सीसीटीवी कैमरा, ट्रैफिक सिगनल, रोड रिफ्लैक्टर, राड स्ट्रड, रोड मार्किंग, ट्रैफिक सेफ्टी मिरर, बस स्टाप एवं अन्य कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में ई-लाइब्रेरी में छात्रों के पंजीयन एवं मासिक शुल्क निर्धारण पर भी विचार विमर्श हुआ। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पुल, पुलियों की सुरक्षा हेतु अरना मेटल शीट लगाने पर भी चर्चा की गई। ई-आफिस संचालन हेतु आवश्यक सामग्री क्रय करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में समस्त उपयंत्री, शाखा प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

इन्हें भी मिली पीआईसी की स्वीकृति

वार्ड 3, 4, 11 में पेविंग ब्लाक फिक्सिंग, वार्ड 2, 6 में आसीसी नाली निर्माण, वार्ड 11 में बिजासन माता मंदिर के पास, वार्ड 34 में बाउंड्रीवाल निर्माण, वार्ड 36 में सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिली। वहीं नालों की सफाई हेतु पोकलेन मशीन क्रय करने पर भी विचार किया गया।

आज मनाया जाएगा धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस, होंगे अनेक कार्यक्रम

बैतूल। बुद्ध विहार प्रबंधन समिति और आम्रपाली महिला मंडल कालापाठा के संयुक्त तत्वावधान में आज गुरुवार भंते दीपांकर के सानिध्य में धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस 4 बजे से मनाया जाएगा। इस अवसर पर बुद्ध, धम्म, संघ, वंदना और भंते दिपांकर द्वारा धम्म देशना होगी। आरआर डोंगरे और सचिव एमएल पाटील ने बताया कि वर्षावास से प्रतिदिन के कार्यक्रम प्रातः 6.15 से, ध्यान साधना 7 बजे वंदना, दोपहर 2 बजे से वंदना, शाम 6.30 बजे वंदना, 7 बजे बुद्ध और धम्म ग्रंथ वाचन किया जाएगा।

राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल से खेत, खदान, कोल, बैंक, बीमा, डॉक तार, टेलीफोन एवं केंद्रीय कार्यालयों में कामकाज ठप्प

राजधानी भोपाल में हड़ताली कर्मियों ने कलरफुल इन्क्लाबी रैली निकालकर अपना आक्रोश व्यक्त किया

17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में प्रदेश के 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर

भोपाल (नप्र)। इंटक, एटक, सीटू , एआईयूटीयूसी तथा बैंक ,बीमा,केंद्र,बीएसएनएल, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एवं अन्य संस्थानों की ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर केंद्र सरकार की जनविरोधी आर्थिक नीतियों, कामगार विरोधी श्रम नीतियों के खिलाफ देशभर के 20 करोड़ से ज्यादा मजदूर,कामगार, कर्मचारी एवं अधिकारी हड़ताल पर रहे। हड़ताल के कारण बैंक, बीमा, डॉक तार ,केंद्र, आयकर, सामान्य बीमा, बीएसएनएल, आगनबाडी, कोयला, परिवहन, तेल, पोर्ट, विमानन, एवं अन्य संस्थानों के कार्यालयों में कामकाज ठप्प रहा ।संख्या की दृष्टि से यह विश्व की सबसे बड़ी हड़ताल है । यह हड़ताल मुख्य रूप से उन मुद्दों पर केंद्रित है जिनसे देश की जनता, हर ट्रेड यूनियन एवं कामगार प्रभावित होता है।

मध्यप्रदेश के करीब 40 हजार बैंककर्मी बुधवार को हड़ताल पर हैं। वे अपनी 17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रहे हैं। इससे प्रदेश की करीब साढ़े 8 हजार शाखाओं में कामकाज पर असर पड़ रहा है। ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं बैंक एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया ने केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का समर्थन करते हुए बैंकिंग उद्योग एवं बैंककर्मियों की मांगों को लेकर अखिल भारतीय बैंक हड़ताल का आह्वान किया है। जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ और बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों की मांगों को लेकर यह हड़ताल है। भोपाल में गर्वमेंट प्रेस के पास बैंककर्मी एकजुट होकर मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने बैंककर्मियों को संबोधित भी किया। ट्रेड यूनियन संयुक्त मोर्चा के प्रवक्ता वीके शर्मा ने बताया केंद्रीय श्रमिक संगठनों और स्वतंत्र ट्रेड यूनियंस ने केंद्र सरकार की जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ, अपनी 17 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए यह राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है। जिसमें पूरे मध्यप्रदेश के बैंककर्मी भी शामिल हैं। भोपाल में भी प्रदर्शन किया जा रहा है।

फोटो प्रवीण वाजपेई

इन मांगों को लेकर हड़ताल

- केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का निराकरण किया जाए।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों को मजबूत करें।
- बैंकों और एलआईसी में निजीकरण और विनिवेश रोके।
- बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई बढ़ोतरी रोका जाए।
- सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों को एक इकाई के रूप में विलय करें।
- पर्याप्त भर्तियां सुनिश्चित करें।
- आउटसोर्सिंग और अनुबंध नौकरियों को रोके।
- एनपीएस को खत्म करें, ओपीएस को बहाल करें।
- कॉर्पोरेट्स से खराब ऋण वसूलने के लिए कड़े कदम उठाएं।
- आम ग्राहकों के लिए बैंकों में सेवा शुल्क कम करें।
- जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लें।
- प्रतिगामी श्रम संहिताओं को लागू न करें।
- ट्रेड यूनियन अधिकारों का उल्लंघन न करें।
- बैंक कर्मियों की लंबित मांगों का निराकरण शीघ्र करें, आदि। बैंककर्मी अपनी 17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रहे हैं।

भोपाल में 400 शाखाएं, 5 हजार बैंककर्मी

राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल में सार्वजनिक, निजी, विदेशी, सहकारी एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के 40 हजार से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। इससे बैंकों का कामकाज ठप हो गया है। भोपाल में भी हड़ताल का असर देखने को मिल रहा है। यहां विभिन्न बैंकों की 400 शाखाएं हैं। जहां 5 हजार अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। हालाकि, बैंकें तो खुली हैं, लेकिन कामकाज नहीं हो रहा है। इस वजह से ग्राहक खासे परेशान हो रहे हैं।

हड़ताली श्रमिक संगठनों के सदस्यों का एक साथ संयुक्त प्रदर्शन, रैली एवं सभा

केंद्रीय श्रमिक संगठनों स्वतंत्र ट्रेड यूनियंस ने केंद्र सरकार की जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ और 17 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए बुधवार को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया था। हड़ताली संगठनों के सभी सदस्य बुधवार, को हड़ताल पर थे और सुबह 10 :30 बजे इंदिरा प्रेस कांम्प्लेक्स (आईपीसी) डाक भवन के सामने होशंगाबाद रोड भोपाल स्थित पंजाब नैशनल बैंक (पूर्व ओरिएंटल बैंक ऑफ़ कॉमर्स) की शाखा के सामने एकत्रित होकर संयुक्त प्रदर्शन, रैली एवं सभा का आयोजन किया।

प्रदेश में अब तक 14 इंच बारिश 74 प्रतिशत ज्यादा

- नरसिंहपुर में 3 बच्चे डूबे, दो के शव मिले
- 35 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून जमकर बरस रहा है। इस मानसून सीजन में प्रदेश में अब तक औसत 14 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 74 प्रतिशत ज्यादा है। प्रदेश के 35 जिलों में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से जैसे- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में इसका असर ज्यादा रहेगा। बीते 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा बारिश प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में 136 मिमी यानी साढ़े 5 इंच हुई है। वहीं, नर्मदापुर में 2.2 इंच, बैतूल में 2.8 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। भोपाल, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सिवनी, जबलपुर, सीधी, सीहोर, शाजापुर, आगर-मालवा, विदिशा, दतिया, नरसिंहपुर, मऊगंज, मंडला, सागर, रायसेन, टीकमगढ़, हरदा, रतलाम, छतरपुर, गुना, इंदौर, दमोह समेत कई जिलों में हल्की बारिश का दौर चला। नरसिंहपुर में विपतपुरा गांव में तीन बच्चे नदी में डूब गए। इनमें से एक का शव बुधवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे जबकि दूसरे का शव दोपहर करीब डेढ़ बजे मिला। एक अन्य की तलाश SDERF की टीम कर रही है। सतना में तेज बारिश से पेड़ गिर गया। इसकी चपेट में आकर कई दोपहिया वाहनों को नुकसान पहुंचा। एक मकान का चबूतरा भी क्षतिग्रस्त हो गया। शिवपुरी में गूगरीपुरा गांव के रपटे को पार करने के दौरान बाइक बहने लगी। इस पर सवार तीनों युवक पानी में आ गिरे। एक युवक बाइक समेत बह गया। हालांकि, कुछ देर बाद वह तैरकर बाहर आ गया। बैतूल के बीजादेही थाना क्षेत्र में बोलेरो मोरड नदी में बह गई। ग्रामीणों ने ड्राइवर और गाड़ी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

पीएम मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ग्रांड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द साउदर्न क्रॉस' मिलने पर प्रदेशवासियों की ओर से बधाई देकर उनका अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द्वारा प्रधानमंत्री श्री मोदी के सम्मान से सभी भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विश्व कल्याण, शांति एवं सद्भाव के प्रति अप्रतिम योगदान से दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

भोपाल में मानव तस्करी गिरोह का खुलासा

2.75 लाख रुपए में नाबालिग को राजस्थान में बेचा, शादी के नाम पर बंधक बनाया

भोपाल (नप्र)। भोपाल की हबीबगंज पुलिस ने मानव तस्कर गिरोह की महिला और युवक को गिरफ्तार किया है। गिरोह के चार अन्य आरोपी फरार हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। 2 फरवरी को पीड़ित नाबालिग मां-पिता की डांट से नाराज होकर निकली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। मां की शिकायत पर हबीबगंज पुलिस ने 6 फरवरी को एफआईआर दर्ज की थी। डीसीपी शशांक ने बताया कि सूचनाकर्ता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि मेरी बेटी कोचिंग नहीं गई थी, तो मेरी पत्नी ने बेटी को डांट दिया था। इससे नाराज बेटी घर से बिन बताए चली गई थी। सभी परिजनों और परिचितों के घर तलाशने के बाद भी जब वह नहीं मिली तो किडनैपिंग की एफआईआर दर्ज कराई गई।

मां-पिता को मदद के लिए कॉल किया

पीड़िता ने पिछले दिनों मदद के लिए परिजनों को कॉल किया था। तब भोपाल पुलिस की टीम फतेहपुर जिला सीकर राजस्थान पहुंची। यहां से युवती को दस्तयाब किया। न्यायालय में किशोरी के कथन कराए गए। उसने कथनों में बताया कि ट्रेन से अपनी दोस्त अंकिता के पास झालावाड़ राजस्थान गई थी। यहां से अंकिता को सूचना मिली की अपहृता को पुलिस ढूंढ रही है। क्योंकि अंकिता 12 नंबर मल्टी भोपाल की ही रहने वाली है। अंकिता ने अपनी ननद दुर्गा कसवे को कॉल कर अपहृत नाबालिग अपने पास होने की बात बताई और उसे ननद के पास पहुंचाकर पुलिस के हवाले करने को कहा। दुर्गा कसवे ने नाबालिग को अपनी परिचित कुसुम विश्वकर्मा से मिलाया। कुसुम विश्वकर्मा ने 19 अप्रैल से बालिका को अपने घर द्वारका नगर बजरिया में रखा। 29 जून को अपने साथी रोशनी एवं प्रदीप और लड़का पक्ष की ओर से सुनील के साथ मिलकर नाबालिग को गुना जिले के आरोन ले जाकर नरेंद्र कुमार (निवासी फतेहपुर जिला सीकर राजस्थान) को 2.75 लाख रुपए लेकर बेच दिया। आरोपी ने उससे एफिडेविट पर शादी भी कर ली।

पुलिस गिरफ्त में आए आरोपी

कुसुम विश्वकर्मा पति उमाशंकर विश्वकर्मा उम्र 47 साल निवासी विंध्याचल वैली व मालती अपार्टमेंट राजेन्द्र नगर स्टेशन बजरिया। इसके खिलाफ भोपाल शहर के थाना स्टेशन बजरिया में 1, छोला मंदिर में 1, कमला नगर में 1, जहांगीराबाद में 1, एवं हबीबगंज में 1 इस प्रकार कुल 5 अपराध दर्ज हैं। नरेन्द्र कुमार डारा उर्फ मोदी पिता रामलाल सिंह उम्र 25 साल निवासी ग्राम गारिंडा तहसील फतहपुर जिला सीकर कोतवाली राजस्थान का संबंधित थाना से आपराधिक रिकॉर्ड चाहा गया है। मामले में आरोपी दुर्गा, रोशनी, प्रदीप जैन, सुनील व अन्य की तलाश की जा रही है।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने निकले पिता-पुत्र

11 महीनों में 30 राज्यों की यात्रा कर पहुंचे भोपाल, राजस्थान में करेंगे समापन

भोपाल (नप्र)। देश को विश्वगुरु बनाने और स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पिता-पुत्र की जोड़ी पिछले 11 महीनों से भारत भ्रमण पर है। इस दौरान वो 30 राज्य घूम चुके है और अब मध्यप्रदेश में है। जयपुर के रहने वाले गोविंद छीपा अपने 7 साल के पुत्र सहज छीपा के साथ यात्रा पर है। बुधवार को वे अपनी 'विवेकानंद ज्ञान ज्योति यात्रा' के तहत भोपाल पहुंचे, जहां उन्होंने लोगों से संवाद कर नशा मुक्ति, शिक्षा, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बात की।

अगस्त 2024 को दिल्ली से हुई थी शुरुआत: पिता-पुत्र की इस यात्रा की शुरुआत 15 अगस्त 2024 को दिल्ली से हुई थी। यात्रा को दिल्ली के कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह यात्रा आगामी 15 अगस्त 2025 को गुजरात और राजस्थान के अंतिम दौरों के साथ खत्म होगी। राधा गोविंद का कहना है, मैं जब भी गरीब बच्चों और नशे से जूझते युवाओं को देखता था, तो अंदर से व्यथित हो जाता था। तभी मैंने फैसला लिया कि देश के लिए कुछ करना है। मैं किसी संस्था या मिशनरी से नहीं जुड़ा हूं, क्योंकि मेरी सोच स्वतंत्र है।

मिशन सिर्फ प्रचार नहीं, सामाजिक परिवर्तन की दिशा में कदम: राधा गोविंद बताते हैं कि इस यात्रा का मकसद सिर्फ विचारों का प्रचार नहीं, बल्कि ग्रामीण स्तर पर जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता फैलाना है। वे अपने बेटे सहज के साथ गांव-गांव जाकर स्कूलों, चौपालों और सभाओं में लोगों से संवाद करते हैं। पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर विशेष रूप से लोगों को सचेत कर रहे हैं।

एक बच्चे की सोच, एक पिता का संकल्प - बन रही है राष्ट्रीय मिसाल: सात साल का सहज छीपा इस पूरी यात्रा में अपने पिता के साथ न केवल हर जगह जा रहा है, बल्कि बच्चों से संवाद भी करता है। राधा गोविंद ने बताया, मेरा बेटा शायद भारत का पहला ऐसा बच्चा है जिसने इतनी लंबी यात्रा बिना किसी परेशानी के पूरी की है। हम अपनी कार से अलग-अलग राज्यों और गांवों तक जाते हैं, लोगों से मिलते हैं और देश के लिए कुछ करने का संदेश देते हैं।

साहस क्रांति और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम: एक सफल व्यवसायी रह चुके राधा गोविंद अब पूरी तरह से देश सेवा को समर्पित हैं। वे कहते हैं कि साहस क्रांति - एक सोच- और हम आत्मनिर्भर फाउंडेशन जैसे सामाजिक मंचों के माध्यम से जागरूकता फैलाना और जमीनी स्तर पर कार्य करना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।

1 लाख बच्चों को स्कूल से जोड़ने का संकल्प: इस अभियान के तहत राधा गोविंद ने 1 लाख बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लिया है। उनका लक्ष्य है कि भीख मांगने वाले, नशे के शिकार और बेसहारा बच्चों को स्कूल भेजा जाए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए।

देशभर से मिल रहा समर्थन: इस यात्रा में प्रशासनिक विभाग, पुलिस विभाग और स्थानीय नागरिकों से उन्हें लगातार समर्थन मिला है। भोपाल में भी उनकी पहल को सराहा गया और कई युवा उनके साथ जुड़ने के लिए आगे आए।

एमपी में नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट

अगले माह रिटायर होंगे सीएस अनुराग और एसीएस कंसोटिया, राजौरा सबसे सीनियर

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में रविवार रात (6 जुलाई) को 9 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर आदेश जारी किए गए। इस फेरबदल के बाद नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया अगस्त में रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में अगर मुख्य सचिव जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता है तो सीएम सचिवालय में अपर मुख्य सचिव रहे डॉ. राजेश राजौरा सबसे सीनियर आईएएस अफसर होंगे। दूसरी ओर, राजौरा के बैच की दिल्ली में पदस्थ महिला आईएएस अलका उपाध्याय ने भी भोपाल में अपनी दिलचस्पी बढ़ा दी है।

31 अगस्त को रिटायर होंगे जैन और कंसोटिया

1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन 11 अगस्त को 60 साल के हो रहे हैं। वहीं उन्हीं के बैच के एक अन्य आईएएस होम जेएन कंसोटिया 12 अगस्त को 60 साल की उम्र पूरी करेंगे। दोनों ही अधिकारियों ने 21 अगस्त 1989 को एक साथ आईएएस की नौकरी जॉइन की थी। इसलिए दोनों ही अधिकारी सर्विस रूल के हिसाब से 31 अगस्त को रिटायर होंगे। ऐसे में एमपी के नए मुख्य सचिव के पद को लेकर भी प्रशासनिक गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है। इसे हवा तब मिली जब 6 जुलाई रविवार को सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश द्वारा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा को सीएम सचिवालय से बाहर किया गया और उन्हें नर्मदा घाटी विकास विभाग का एसीएस और प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बना दिया गया।

पेसा एक्ट जनजातीय समाज की स्वतंत्रता और जीवन मूल्यों की रक्षा का कानून : मंत्री पटेल

नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं विकासखंड अधिकारियों के प्रशिक्षण का समापन

- पेसा कानून के क्रियान्वयन पर हुई विशेष कार्यशाला

भोपाल (नप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं विकासखंड अधिकारियों की पहली पोस्टिंग प्रदेश के जनजातीय विकासखंड में की जा रही है। इन विकासखंडों में पेसा मोबलाइजर्स के साथ कार्य कर नवनियुक्त अधिकारियों को जमीनी स्तर पर पेसा कानून के क्रियान्वयन की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के क्रियान्वयन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ ही जनजाति कार्य विभाग की बड़ी भूमिका है। उन्होंने पेसा कानून को जनजातीय समाज की स्वतंत्रता और जीवन मूल्यों की रक्षा का माध्यम बताया। मंत्री श्री पटेल मंगलवार को मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी) भोपाल में नवनियुक्त जनपद सीईओ एवं बीडीओ के प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पेसा कानून पर

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये और स्मृति दर्पण पुस्तिका का भी विमोचन भी किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि शासकीय सेवा को व्यक्तिगत लाभ न मानते हुए समाज और संस्था की प्रतिष्ठा का माध्यम बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी सेवा जनजातीय क्षेत्र में होने पर स्वस्थ मन से, निष्काम भाव से जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के लिए, उनके जीवन दर्शन के लिए, उनको दबावों से मुक्त कराने के लिए कार्य करें। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए प्रदेश के विभिन्न पंचायत में 1400 से अधिक नवीन ग्राम पंचायत भवन स्वीकृत कराए गए है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज को मज़बूत करना केवल इमारतें बनाना ही नहीं, बल्कि संसाधनों और सही माहौल की उपलब्धता से संभव है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण का उद्देश्य केवल पौधे लगाना ही नहीं उनका संरक्षण करना भी आवश्यक है। अब फेंसिंग और पानी की व्यवस्था के बिना पौधारोपण नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल स्रोत, भूमि को पुनर्जीवित करने के प्रयास करना चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण विकास में पात्र व्यक्ति को सबसे पहले लाभ मिलना न्याय की सच्ची परिभाषा है। सभी पात्र हितग्रहियों को शासन की योजनाओं के लाभ पहुंचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए अधिकारियों को जनजातीय विकासखंड में भेजने से उन्हें अधिक जमीनी अनुभव मिलेगा। पेसा एक्ट के अंतर्गत ग्राम सभाओं की सक्रियता और वास्तविक बैठकें सुनिश्चित करने पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गौण खनिज अधिकारों की रक्षा की ज़िम्मेदारी अब जनपद सीईओ की होगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति का सम्मान आवश्यक है- नदी, पहाड़ और वृक्ष जीवनदायिनी संगम हैं। जनजातीय समाज की प्रकृति के प्रति आस्था और उनकी जीवन शैली से सीखना चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' और 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कई कार्य किए गए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि अभियान के तहत उन्होंने 80 से अधिक छोटी नदियों के उद्गम स्थलों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि जल स्रोतों के संरक्षण के साथ ही पौधों के संरक्षण के लिए 'एक बगिया मां के नाम' अभियान की शुरुआत 15 जुलाई से की जा रही है। इस अभियान के तहत एक एकड़ ज़मीन पर बगिया लगाने के लिए रू. 3 लाख की सहायता दी जाएगी - पहले साल रू. 2 लाख, फिर क्रमशः रू. 52,000 और रू. 48,000 की किश्तों में दी जाती है। स्व सहायता समूह की महिलाओं को निजी भूमि पर बागवानी के लिए विशेष आर्थिक सहायता दी जाएगी। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मनरेगा योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरू हो चुका है, जिससे योजनाएं वैज्ञानिक आधार पर बनेंगी और चलेंगी।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

शिक्षा के प्रकाश से जीवन को आलोकित करने वाले
गुरुओं का आभार व्यक्त करती मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल

गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल का लोकार्पण

एवं

विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण शुभारंभ कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

10 जुलाई, 2025 I दोपहर 12:30 बजे
कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल

तपोधरा मध्यप्रदेश ऋषि परंपरा की जीवंत धरोहर है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा माना गया है। हमारा प्रदेश महर्षि सांदीपनि, जगतगुरु श्रीकृष्ण एवं अनेक कालजयी गुरुओं जैसे महर्षि वेद व्यास, अत्रि, अगस्त्य, च्यवन ऋषि, परशुराम, विश्वामित्र, दत्तात्रेय, ऋषि जाबाली, गालव ऋषि, पतंजलि, महावीर स्वामी, आदिशंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ, भर्तृहरि, चार्वाक, भरतमुनि, श्री वल्लभाचार्य, स्वामी हरिदास, गुरु नानकदेव, संत सिंगाजी, सेन भगत, संत रविदास, स्वामी जदरूप आदि की तपोभूमि और कर्मस्थली रही है। उनके तप, त्याग और ज्ञान से हमारे देश-प्रदेश ने सदैव ही दिशा पाई है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम उन सभी पूज्य गुरुओं का सादर वंदन करते हैं। सभी प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक मंगलकामनाएं।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

D-11061/25